गुस्ताखी माफ

वैसे तो हर सड़क पर, है फुटपाथ जनाब।
हालत है उसकी मगर, लगभग बड़ी खराब।
लगभग बड़ी खराब, सिसकता दुख के मारे।
यहां-वहां अतिक्रमण, घेर कर बैठे सारे।
कह साहिल कविराय, दुखी फुटपाथ हमारा।
जहां जाइये वहां, मिलेगा पड़ा खलारा।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 208 | WEDNESDAY 05-08-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

PSIDC के प्लाटों के आबंटन मामले में एड द्वारा अमृतसर, मोहाली और लुधियाना में रेड

सेंट्रा ग्रीन प्रीमियम अप्पार्टमेंट्स के मलबरी 2 में पहुंची टीमें

लुधियाना/यूटर्न/4 अगस्त। मंगलवार को ईडी (इंफोस्मेंट डायरेक्टोरेट) की ओर से लुधियाना और चंडीगढ़ में एक साथ कार्रवाई की गई। इस दौरान टीम द्वारा लुधियाना के अति पॉश अपार्टमेंट में से एक पक्खोवाल रोड स्थित सेंट्रा ग्रीन्स के द मलबरी टू बिल्डिंग में दबिश दी गई। सेंट्रा ग्रीन्स में रेड का कारण फ्लैट नंबर 901 में रहते दमनदीप सिंह नामक बिचौलिया बताया जा रहा है। इसी के साथ साथ चंडीगढ़ के सेक्टर-17 में स्थित उद्योग भवन के पीएसआईडीसी (पंजाब कोर इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्प) में भी रेड की।

चर्चा है कि यह रेड पीएसआईडीसी डिपार्टमेंट में प्रॉपर्टियों की सेल परचेज में हेरफेर होने की आशंका के चलते हुई है। देर रात तक यह जांच जारी रही। हालांकि इस मामले संबंधी अभी ईडी की ओर से कोई आधिकारिक रुप से खुलासा नहीं किया गया है। लेकिन चर्चा है कि टीम द्वारा कई अहम सबूत मिलने के बाद ही एक्शन लिया है। हालांकि इस रेड के बाद सेंट्रा ग्रीन्स से लेकर चंडीगढ़ उद्योग भवन तक हलचल मची हुई है। पूरा दिन दोनों स्थानों पर हड़कंप का माहौल रहा। बताया जा रहा है कि यह रेड दिल्ली से आई ईडी की टीमों द्वारा की गई है। जैसे ही ईडी की टीमें सरकारी बिल्डिंग में घुसी तो उसके बाद सभी को बाहर और अंदर आने जाने पर रोक लगा दी गई। पीएसआईडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर आईएएस अधिकारी रूबिंदरजीत सिंह बराड़ द्वारा इस रेड की पुष्टि की है।

पक्खोवाल रोड स्थित सेंट्रा ग्रीन्स अपार्टमेंट

पीएसआईडीसी के प्लॉटों का डाटा खंगाल रही टीमें

चर्चा है कि टीम द्वारा पीएसआईडीसी द्वारा अलॉट किए प्लॉटों का डाटा इकट्ठा किया जा रहा है। जिसमें आशंका है कि नियमों का उल्लंघन करके यह अलॉटमेंट की गई है। इसी के साथ साथ कई कारोबारियों को अवैध तरीके से फायदा पहुंचाया गया है। जिसके चलते टीमों द्वारा नया और पुराना दोनों रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। आशंका है कि इस कार्रवाई के बाद कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

कुछ समय पहले लग्जरी अपार्टमेंट में शिफ्ट हुआ दमनदीप सिंह

चर्चा है कि सेंट्रा ग्रीन्स के द मलबरी टू अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 901 में दमनदीप सिंह पुत्र अवतार सिंह नामक व्यक्ति रहता है। उसी के नाम से वारंट लेकर टीम रेड करने पहुंची थी। चर्चा है कि वे पहले मॉडल टाउन में रहता था। लेकिन कुछ समय पहले उसने वहां घर बेचकर सेंट्रा ग्रीन्स के अति लग्जरी अपार्टमेंट मानें जाते द मलबरी टू की बिल्डिंग में रहता था। हालांकि टीमों ने पहले मॉडल टाउन में दबिश दी। लेकिन फिर धीरे धीरे सेंट्रा ग्रीन्स में पहुंची। हालांकि वहां फ्लैट पर ताला लगा मिला। जिसके बाद टीम को वापिस लौटना पड़ा। अब टीमें उसकी तलाश कर रही है।

बिचौलिए की भूमिका निभा रहा था सेंट्रा ग्रीन्स का रेजिडेंट

चर्चा है कि दमनदीप सिंह का पीएसआईडीसी (पंजाब कोर इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्प) के अधिकारियों के साथ अच्छा संपर्क था। चर्चा है कि दमनदीप सिंह द्वारा पीएसआईडीसी के प्लॉटों की सेल परचेज में बिचौलिए का रोल अदा किया जा रहा था। उसकी तरफ से कई लोगों को प्लॉट दिलाए गए। आशंका है कि इन प्लॉटों की सेल में भी कई अनियमिताएं पाई गई है। जिसके चलते ईडी द्वारा दमनदीप की तलाश की जा रही है। उसके मिलने के बाद कई राज से पर्दा उठने की संभावना जताई जा रही है।

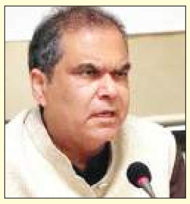

पूर्व मंत्री अरोड़ा ने दिलाई थी इंडस्ट्री को राहत

बता दें कि ईडी की रेड के बाद कई लोगों द्वारा इस कार्रवाई को पूर्व इंडस्ट्री मिनिस्टर संजीव अरोड़ा के साथ जोड़ा जा रहा था। हालांकि अभी तक उन्हें लेकर कोई जांच होने की बात ऑफिशियल तौर पर सामने नहीं आई है। यह नहीं कहा जा सकता है कि भविष्य में उनसे तार जुड़ेगें या नहीं। वहीं उद्योग भवन में इंडस्ट्री मंत्री का ऑफिस होने के चलते अरोड़ा का नाम चर्चाओं में आने की बात कही जा रही है। इस रेड के बाद यह चर्चा फिर से छिड़ गई कि मंत्री रहते हुए संजीव अरोड़ा द्वारा उद्योग के 35 साल पुराने रोग को खत्म कर पीएसआईडीसी डिपार्टमेंट से बड़ी राहत दिलाई थी। विभाग उस मामले की भी बारिकी से जांच कर रहा है।

दो दिन पहले स्कैम हुआ था उजागर

चर्चा है कि पीएसआईडीसी डिपार्टमेंट में एक बड़ा स्कैम पकड़ा गया था। दो दिन पहले ही इसका खुलासा हुआ था। इस स्कैम के खुलासे के बाद कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। यह मुद्दा इतना गंभीर था कि एक अधिकारी अंकुर चौधरी को चार्जशीट भी किया गया था। मैनेजिंग डायरेक्टर रूबिंदरजीत सिंह बराड़ ने भी इसकी पुष्टि की है।

ईडी से किया जा रहा सहयोग

वहीं पंजाब कोर इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्प के मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) रूबिंदरजीत सिंह बराड़ का कहना है कि ईडी की टीमें जांच करने के लिए पहुंची है। उनके द्वारा डाटा चैक किया जा रहा है। टीमों के साथ हर प्रकार से सहयोग किया जा रहा है।

रजिस्ट्री के नाम पर रिश्वत का खेल, विजिलेंस के जाल में फंसी तहसील की क्लर्क

सस्ते फ्लैट का झांसा देकर आठ लाख में तय किया सौदा -एक लाख रुपये लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, पुराने मामलों की भी खंगाली जा रही जांच

मोहाली/यूटर्न/04 अगस्त। मोहाली तहसील में रजिस्ट्रियों के नाम पर कथित रिश्वतखोरी के खेल का मंगलवार को उस समय पदार्फाश हो गया, जब पंजाब विजिलेंस ब्यूरो फ्लाइंग सक्वार्ड-1 की टीम ने तहसीलदार कार्यालय में तैनात क्लर्क भुपेंद्र कौर को एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई विजिलेंस फ्लाइंग स्क्वाड-1 ने शिकायतकर्ता प्रभजीत सिंह की शिकायत पर योजनाबद्ध तरीके से की।

विजिलेंस के अनुसार, आरोपी क्लर्क ने शिकायतकर्ता को स्काई लार्क सोसाइटी में सस्ते फ्लैट की रजिस्ट्री कराने का भरोसा देकर आठ लाख रुपये में सौदा तय किया था। आरोप है कि सौदे की पहली किस्त के रूप में एक लाख रुपये लेते समय विजिलेंस टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, शुरूआती जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पहले भी रजिस्ट्री संबंधी कार्य कराने के नाम पर लोगों से दो से तीन लाख रुपये तक की अवैध वसूली करती रही है। हालांकि, इन मामलों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। अब विजिलेंस यह पता लगाने में जुटी है कि इस कथित रिश्वत नेटवर्क में कोई अन्य कर्मचारी, अधिकारी या बिचौलिया भी शामिल था या नहीं। मामले में वित्तीय लेनदेन और अन्य दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। यदि जांच में और नाम सामने आते हैं तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

कैसे हुई कार्रवाई

प्रभजीत सिंह ने विजिलेंस को रिश्वत मांगने की शिकायत दी। विजिलेंस फ्लाइंग स्क्वाड-1 ने शिकायत का सत्यापन किया। योजनाबद्ध तरीके से रेड कर आरोपी को एक लाख रुपये लेते हुए गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई।

हां, मेरी जानकारी में भी आया है कि विजिलेंस ने क्लर्क को हिरासत में लिया है। सुबह तहसीलदार से सारे मामले की जानकारी हासिल की जाएगी।

कोमल मित्तल, डीसी मोहाली।

FSSAI ने डाबर से '100%' दावे वाले फूड प्रोडक्ट्स की बिक्री रोकने को कहा

चंडीगढ़/यूटर्न/04 अगस्त। भारत के फूड सेफ्टी रेगुलेटर, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने डाबर इंडिया लिमिटेड को निर्देश दिया है कि वह '100%' दावों के साथ बेचे जा रहे कई फूड प्रोडक्ट्स की बिक्री तुरंत रोक दे। रेगुलेटर का कहना है कि ऐसे लेबल भ्रामक, अस्पष्ट और देश के फूड एडवरटाइज़िंग नियमों के तहत साबित न किए जा सकने वाले हैं। कंपनी से 15 दिनों के भीतर 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' (ATR) जमा करने के लिए भी कहा गया है।

इस रोक में डाबर के कई प्रोडक्ट्स शामिल हैं, जैसे शहद, एप्पल साइडर विनेगर, वर्जिन कोकोनट ऑयल, तिल का तेल, गाय का घी, नारियल पानी और नारियल का दूध। इन प्रोडक्ट्स का प्रचार '100% नेचुरल', '100% प्योर', '100% ऑर्गेनिक', '100% प्योरिटी गारंटीड' और '100% टेंडर कोकोनट वॉटर' जैसे दावों के साथ किया जाता था। FSSAI के अनुसार, ऐसे दावे फूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एडवरटाइज़िंग एंड क्लेम्स) रेगुलेशंस, 2018 का उल्लंघन करते हैं, क्योंकि इनकी निष्पक्ष रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती और इनसे ग्राहकों के गुमराह होने की संभावना रहती है। रेगुलेटर ने यह भी आरोप लगाया कि डाबर ऑर्गेनिक हनी और डाबर हिमालयन ऑर्गेनिक एप्पल साइडर विनेगर पर वैध FSSAI ऑर्गेनिक मंज़ूरी के बिना 'जैविक भारत' लोगो का इस्तेमाल किया गया, जो फूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स (ऑर्गेनिक फूड्स) रेगुलेशंस, 2017 का उल्लंघन है।

यह कार्रवाई फूड सेक्टर में बढ़ा-चढ़ाकर किए जाने वाले मार्केटिंग दावों के खिलाफ रेगुलेटर की व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है। मई 2025 में, FSSAI ने पूरी इंडस्ट्री के लिए एक एडवाइज़री जारी की थी जिसमें फूड कंपनियों को लेबल, पैकेजिंग और प्रचार सामग्री पर '100%' दावों का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश दिया गया था। रेगुलेटर ने कहा कि '100%' शब्द को फूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट के तहत परिभाषित नहीं किया गया है और इससे पूरी तरह शुद्ध होने या दूसरे प्रोडक्ट्स से बेहतर होने की गलत धारणा बन सकती है।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए डाबर ने कहा कि उसे रोक का आदेश मिल गया है और उसने पहले ही प्रोडक्ट लेबल में बदलाव करना शुरू कर दिया है, साथ ही इस मामले पर कानूनी सलाह भी ले रही है। कंपनी ने कहा कि वह रेगुलेटर द्वारा पहचाने गए प्रोडक्ट्स की समीक्षा कर रही है और जरूरी नियमों का पालन करने के लिए उचित कदम उठाएगी।

सीबीआई ने कर्नल बाठ मामले में आरोप तय करने के समय अतिरिक्त धाराएं जोड़ने संबंधी आवेदन पर अदालत में दिया जवाब

मोहाली/यूटर्न/04 अगस्त। सीबीआई की विशेष अदालत में लंबित बहुचर्चित मामले में मंगलवार को विभिन्न लंबित आवेदनों पर सुनवाई हुई। इस दौरान सीबीआई ने शिकायतकर्ता की ओर से आरोप तय करने के समय अतिरिक्त धाराएं जोड़ने संबंधी आवेदन पर अपना जवाब दाखिल किया। जवाब की प्रति शिकायतकर्ता की पत्नी को उपलब्ध करा दी गई। इसके अलावा सीबीआई ने आरोपी रॉनी सिंह की ओर से राजिंद्रा अस्पताल के मेडिकल गवाहों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीआरडी), आईआरटीसी, सीएएफ और टावर लोकेशन सुरक्षित रखने संबंधी आवेदन पर भी अपना जवाब अदालत में दाखिल किया। इसकी कॉपी आरोपी पक्ष को भी सौंप दी गई।

सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष के वकीलों ने दलील दी कि उन्हें सीबीआई के जवाबों का अध्ययन करने के लिए समय चाहिए, ताकि वे संबंधित आवेदनों पर प्रभावी ढंग से बहस कर सकें। वहीं बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि राज्य स्तर पर चल रही वकीलों की हड़ताल हाल ही में समाप्त हुई है, जिसके कारण वे उस आवेदन पर भी बहस की तैयारी नहीं कर सके, जिसमें अभियोजन पक्ष के गवाह जसविंदर कौर बाठ और गुरतेज सिंह ढिल्लों को मामले के लंबित रहने तक प्रेस कॉन्फ्रेंस या सार्वजनिक बयान देने से रोकने की मांग की गई है। अदालत में मौजूद दोनों अभियोजन गवाहों जसविंदर कौर बाठ और गुरतेज सिंह ढिल्लों ने भी अदालत से अनुरोध किया कि उनके अधिवक्ता केवल शनिवार को ही उपलब्ध हो सकते हैं। इस पर दोनों पक्षों की सहमति से अगली सुनवाई 19 सितंबर 2026 (शनिवार) तय की गई। अदालत ने बचाव पक्ष को निर्देश दिया कि वह अतिरिक्त धाराएं जोड़ने संबंधी आवेदन पर अपना जवाब दाखिल करे और अगली तारीख पर सभी लंबित आवेदनों पर बहस करे। इनमें अतिरिक्त धाराएं जोड़ने का आवेदन, मेडिकल गवाहों के सीआरडी सुरक्षित रखने का आवेदन और अभियोजन गवाहों को प्रेस कॉन्फ्रेंस और सार्वजनिक बयान देने से रोकने संबंधी आवेदन शामिल हैं। मोहाली में कर्नल पुष्पिंदर बाठ और उनके बेटे पर कथित हमले के मामले से जुड़ा है। रॉनी सिंह उस समय पंजाब पुलिस में इंस्पेक्टर थे। आरोप है कि पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद कर्नल और उनके बेटे के साथ मारपीट की गई। मामले की जांच बाद में सीबीआई को सौंपी गई थी। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में रॉनी सिंह सहित कुछ पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया था।

बारिश में फैक्ट्री से केमिकल युक्त पानी छोड़ने का आरोप, हैबतपुर मार्ग पर लोगों का हंगामा

डेराबस्सी/यूटर्न/04 अगस्त। डेराबस्सी के हैबतपुर मार्ग स्थित एक क्रॉप केयर कंपनी पर स्थानीय लोगों ने बारिश के दौरान फैक्ट्री से कथित तौर पर केमिकल युक्त पानी बाहर छोड़ने के आरोप लगाए हैं। लोगों का कहना है कि हर बार बारिश होने पर फैक्ट्री परिसर का रासायनिक मिश्रित पानी बाहर निकलकर आसपास की सड़कों और खाली स्थानों में फैल जाता है, जिससे प्रदूषण बढ़ने के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन बारिश का फायदा उठाकर केमिकल युक्त पानी की निकासी करता है, जिससे इसकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। लोगों ने कहा कि पानी से तेज दुर्गंध आती है और इसके कारण आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो क्षेत्र में जल और मिट्टी प्रदूषण के साथ बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ सकता है।

3000 लीटर देसी गाय का घी जब्त, जांच हेतु नमूने प्रयोगशाला भेजे गए

₹400 लीटर बिक रहा था, नकली होने की आशंका

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/04 अगस्त। एक सूचना के आधार पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दीप नगर में स्थित गोदाम पर 3000 लीटर देशी गाय का की जप्त किया है यह चीज भी जिसकी कीमत ₹700 अंकित थी ₹400 पर उपलब्ध कराया जा रहा था आशंका के आधार पर घी के सैंपल लेकर उसे जांच के लिए भेजा गया है जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आशीष चावला ने बताया इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष चावला ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार उक्त घी गुजरात से लाया गया था। उन्होंने बताया कि इसकी खरीद कीमत लगभग ₹400 प्रति लीटर जबकि पैकिंग पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) ₹700 प्रति लीटर था। विभाग द्वारा इस संबंध में खरीद बिल, परिवहन दस्तावेज, उत्पाद की लेबलिंग तथा अन्य आवश्यक अभिलेखों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा की कीमत के आधार पर यह संशय पैदा हो रहा है कि उक्त घी नकली भी हो सकता है उक्त घी पर गोपी श्री ब्रांड नेम छपा हुआ था जो गुजरात की कंपनी है।

धर्मनगरी कुरुक्षेत्र को बनाया जाएगा विश्वस्तरीय पर्यटन हब, गीता जयंती से पहले बनेगा प्रदेश का पहला स्ट्रीट फूड हब

चंडीगढ़/कुरुक्षेत्र/यूटर्न/04 अगस्त। हरियाणा सरकार धर्मनगरी कुरुक्षेत्र को विश्वस्तरीय धार्मिक एवं पर्यटन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़े कदम उठाने जा रही है। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने मंगलवार को कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड (केडीबी) और शहरी निकाय विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि कुरुक्षेत्र भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख केंद्र है। इसे वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए प्रतिष्ठित एजेंसी के माध्यम से समग्र विकास योजना तैयार की जाएगी। बैठक में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा भी मौजूद रहे। मंत्री ने अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में शुरू किए गए अनुभव केंद्र से गीता के संदेश को देश-विदेश तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा कुरुक्षेत्र में सिख संग्रहालय और संत शिरोमणि श्री रविदास धाम का निर्माण भी किया जा रहा है।

Uturn Time 05 Aug 2026_Layout 2 04-08-2026 23:52 Page 3

पेज 06 श्रृंखलाबद्ध सवा लाख श्री हनुमान चालीसा पाठ...

लुधियाना के दवा कारोबारी ने थाने में किया सुसाइड, टॉयलेट में जाकर पेट्रोल डालकर लगाई आग, कई अफसरों पर गिर सकती गाज

खन्ना/यूटर्न/4 अगस्त। आर्थिक तंगी से जुझ रहे लुधियाना के दवा कारोबारी ने खन्ना के थाना सिटी-1 के टॉयलेट में खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। आग लगाने के कारण वे बुरी तरह से झुलस गया। जिस कारण उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसे एक बाबा ने तकदीर सुधारने का लालच दकर 53 हजार की ठगी की थी। हालांकि इस घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। चर्चा है कि इस पूरे घटनाक्रम में कई अफसरों पर गाज गिर सकती है। लेकिन उनका बचाव करने का प्रयास जारी है। जिसके चलते पुलिस द्वारा आन फान में ढोंगी बाबा चरणदास और उसके साथियों मक्खन सिंह, जुगराज सिंह उर्फ जिमी और इंदरप्रीत सिंह उर्फ ईशू के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर चारों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी ने इस संबंध में सीनियर अधिकारियों को सूचना दी। पुलिस अधिकारियों को जैसे ही इस मामले में पता चला तो उन्होंने पूरा मामला दबाने की कोशिश की। अफसरों ने देर शाम तहसीलदार को बतौर मजिस्ट्रेट मौके पर बुलाया और उनके सामने लाश का पंचनामा किया।

9 साल पहले थाना दुगरी में महिला ने की थी खुदखुशी, सीबीआई कर रही जांच

पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी

गोबिंद सिंह को लगी आग के कारण जला टॉयलेट का फर्श। इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

दवा कारोबार में हुआ था नुकसान

मृतक गोबिंद सिंह गिल रोड स्थित ईशर सिंह नगर का रहने वाला था। वह मेडिकल शॉप चलाता था और उसे घाटा होने के कारण कारोबार चौपट हो गया। गोबिंद सिंह को एक जानकार ने तकदीर सुधारने के लिए खन्ना के ललहेड़ी में बाबा चरणदास के पास जाने को कहा। गोबिंद सिंह जब आरोपी बाबा चरणदास के पास पहुंचा तो उसने अपने जाल में फंसा लिया। आरोपी ने गोबिंद सिंह से उपाय करने के नाम पर 73 हजार रुपए ले लिए। साथ ही कह दिया कि अगर उपाय सफल नहीं हुआ तो पैसे वापस ले लेना।

पैसे वापिस मांगने पर किया इंकार

गोबिंद सिंह ने जब उपाय किया तो उसके हालात नहीं सुधरे तो उसने आरोपी से पैसे वापस मांगे। आरोपी ने इंकार किया। इस बात को लेकर उनके बीच तकरार चलती रही। फिर दबाव डालने पर उसने 20 हजार रुपए दे दिए। उसके बाद बकाया 53 हजार रुपए लेने के लिए वह फिर चक्कर लगाने लगा। बाबा और उसके तीन साथी गोबिंद सिंह को लगातार धमकाने लगे। जिसके बाद गोबिंद ने पुलिस से शिकायत की।

पहले भी कई पुलिस अफसरों पर गिर चुकी गाज

अगस्त 2017 को थाना दुगरी पुलिस ने महिला रमनदीप कौर और उसके पति को ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया था। थाने में हिरासत में रमनदीप ने बाथरूम में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला कॉन्स्टेबल राजविंदर कौर और अमनदीप कौर की मौजूदगी में घटना हुई। मामले में पुलिस की एसआईटी बनी। एसआईटी पर सवाल खड़े कर परिवार हाईकोर्ट पहुंचा। कोर्ट के आदेशों पर यह मामला सीबीआई को दिया। सीबीआई ने इंस्पेक्टर दलबीर सिंह (2534), एएसआई सुखदेव सिंह (1332), महिला कॉन्स्टेबल राजविंदर कौर और अमनदीप कौर खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया। अभी यह मामला विचाराधीन है।

आरोपी पक्ष थाने नहीं आया तो लगाई आग

पुलिस ने दोनों पक्षों को बयान लेने के लिए थाने बुलाया था। वहां पर आरोपी नहीं आया, जबकि गोबिंद बैठा रहा। थोड़ी देर बाद वे बाथरुम में गया और खुद को आग लगा ली। डीएसपी खन्ना विनोद कुमार ने बताया कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है।

निगम जोन-डी बाहर भाजपा ने खुले में आयोजित की जनरल हाउस मीटिंग, मेयर और कमिश्नर की कुर्सियां भी लगाई

भाजपा का आरोप, निगम हाउस में न बोलने देने पर किया शक्ति प्रदर्शन

लुधियाना/यूटर्न/4 अगस्त। नगर निगम की हाउस मीटिंगों में न बोलने देने पर भाजपा पार्षदों द्वारा कारपोरेशन जोन-डी में मंगलवार को अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। उनकी तरफ से ऑफिस बाहर कुर्सियां लगाकर जनरल हाउस मीटिंग की गई। जहां पर मेयर और कमिश्नर की स्पेशल कुर्सियां लगाई गई।

लेकिन अधिकारी व नेता नहीं पहुंचे। इस दौरान भाजपा नेताओं द्वारा अपने वॉर्डों की समस्याएं सुनाई गई। वहीं उनका आरोप था कि हाउस की मीटिंगों में उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। जिसके चलते उनकी तरफ से यहां शक्ति प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा जनता के हक में खड़ी है और अगर आगे भी इसी तरह जनता लीडरों की आवाज दबाई जाएगी, तो विरोध जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि निगम हाउस में तो उन्हें बोलने से रोका जाता है, लेकिन आज यहां खुलकर अपने वॉर्डों की समस्याएं बताकर उन्हें काफी शांति महसूस हुई।

सभी पार्षदों ने सुनाई समस्याएं

इस जनरल हाउस मीटिंग में सिर्फ भाजपा पार्षद मौजूद थे। सभी पार्षदों द्वारा एक-एक करके अपने वॉर्डों की समस्याएं बताई गई। वहीं उन्होंने आरोप लगाए कि आप पार्टी के निगम हाउस लीडरों द्वारा मनमानी की जा रही है। जिस कारण शहर में जगह जगह पीने के पानी की समस्या आ रही है। जलभराव हो रखा है, सीवरेज ओवरफ्लो है और स्ट्रीट लाइटें खराब है। कहीं धड़ल्ले से अवैध इमारतें बन रही है। नेताओं की मनमानी की वजह से शहर की सुंदरता खत्म होती जा रही है। निगम अधिकारी भी उनकी शिकायतों और मांगों पर कोई ध्यान नहीं देते।

लुधियाना- गर्लफ्रेंड के लिए पत्नी को पिलाया जहर: पेट में पल रहे बच्चे की मौत, पति बोला- मैं दूसरी लड़की से प्यार करता हूं

लुधियाना/यूटर्न/4 अगस्त। न्यू शिमलापुरी के गोबिंद नगर इलाके में एक पति ने अपनी प्रेमिका के पीछे लगकर गर्भवती पत्नी को जहरीला पदार्थ दे दिया। जिस कारण पत्नी की सेहत खराब हो गई। जिससे उसका गर्भपात हो गया। महिला ने इस संबंधी पुलिस को शिकायत दी। थाना शिमलापुरी की पुलिस ने गोबिंद नगर की हरलीन कौर की शिकायत पर सुखविंदर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पीड़िता हरलीन कौर ने बताया कि मेरी शादी साल 2024 में सुखविंदर सिंह से हुई थी। एक साल तक सब कुछ ठीक रहा। जिसके बाद आरोपी छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा करने लगा। बाद में पता चला कि उसका सोफिया नामक महिला के साथ अफेयर चल रहा है। शिकायतकर्ता ने उसका विरोध किया। जिस कारण आरोपी ने झगड़ा करना शुरू कर दिया। इस दौरान शिकायतकर्ता को पता चला कि वे गर्भवती है। उसने इस संबंधी आरोपी को बताया, तो उसने जल्द इसका हल करने की धमकी दी। इस दौरान शिकायतकर्ता बीमार हो गई। जिसके बाद आरोपी उसे जूस लाकर पिलाने लगा। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी द्वारा जूस में जहरीला पदार्थ डालकर दे दिया गया। जिस कारण उसका गर्भपात हो गया और खून निकलने लगा। वे पूरी रात आरोपी को फोन करती रही, लेकिन वह नहीं आया। जिस कारण वे तड़पती रही। फिर सुबह खुद अस्पताल पहुंची।

पीड़िता और आरोपी की शादी के दौरान की तस्वीर

हरियाणा में सरकारी कामकाज होगा पूरी तरह डिजिटल, सभी विभागों में ई-ऑफिस अनिवार्य

चंडीगढ़/यूटर्न/04 अगस्त। हरियाणा सरकार ने डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के सभी सरकारी विभागों, बोर्डो, निगमों, प्राधिकरणों, जिला एवं अधीनस्थ कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को तत्काल प्रभाव से अनिवार्य कर दिया है। अब सभी सरकारी फाइलों और आधिकारिक पत्राचार का निपटान केवल ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, बोर्डो एवं निगमों के प्रबंध निदेशकों, मुख्य प्रशासकों तथा विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को निर्देश जारी किए हैं।

जारी आदेशों के अनुसार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित ई-ऑफिस प्रणाली का उद्देश्य सरकारी कार्यप्रणाली को पेपरलेस, पारदर्शी, दक्ष और जवाबदेह बनाना है। हरियाणा में यह प्रणाली

वर्ष 2017 से चरणबद्ध तरीके से लागू की जा रही है, जिससे फाइलों के निपटान में तेजी, रिकॉर्ड प्रबंधन में सुधार और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ी है। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालयों में ई-ऑफिस का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। इसके लिए आवश्यक यूजर आईडी, डिजिटल सिग्नेचर, कर्मचारियों का प्रशिक्षण और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी बुनियादी ढांचे की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि सरकारी कार्यो का अधिकतम निपटान डिजिटल माध्यम से किया जाए और भौतिक फाइलों का उपयोग न्यूनतम रखा जाए। आवश्यकता पड़ने पर विभाग एनआईसी हरियाणा, हारट्रॉन अथवा राज्य की ई-ऑफिस सहायता टीम से तकनीकी सहयोग भी ले सकेंगे। सरकार ने सभी विभागों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

महानगर में डेंगू की महामारी का खतरा, मरीजों की संख्या 4000 पार

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/04 अगस्त। महानगर में डेंगू के मरीजों की संख्या 4000 पर कर गई है परंतु स्वास्थ्य विभाग में अभी दर्जन के करीब मरीजों की ही पुष्टि की है माहिरो का कहना है कि यह स्थिति खतरनाक है जिस प्रकार से बारिशे से शुरू हुई है महानगर में डेंगू माहवारी का रूप धारण कर सकता है उन्होंने कहा कि लोगों को भी चाहिए कि वह अपने घर के आस-पास और छत पर सफाई का पीछे ध्यान रखें और कहीं भी बारिश का पानी रुकने न दे क्योंकि डेंगू का मच्छर साफ पानी मे पैदा होता है जिन लोगों के घरों में कुलर है उसे सप्ताह में एक बार उसका पानी निकाल कर उसे सुखा रखें ताकि उसमें डेंगू का मच्छर पैदा ना हो सके। खुला कि नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से अस्पतालों के अलावा प्राइवेट क्लिनिको पर भी डेंगू के लक्षणों के साथ मरीज सामने आने शुरू हो गए हैं जो आने वाले समय में बढ़ सकते हैं।

स्वास्थ्य विभाग में स्थिति को नकारा

दूसरी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की माने तो जिले में डेंगू के मरीज नाम मात्र के हैं परंतु अस्पतालों की रिपोर्ट देखें तो महामारी का आभास अभी से होने लगा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्पतालों से प्राप्त रिपोर्ट्स के अंतर्गत जिन मरीजों को पॉजिटिव बताया गया उन्हें क्रॉस चेकिंग के नाम पर नेगेटिव करार दे दिया गया हालांकि सूत्र यह भी बताते हैं कि स्वास्थ्य निदेशालय द्वारा क्रास चेकिंग के लिए कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं की गई है यह स्वास्थ्य विभाग अपने स्तर पर इसलिए करता है ताकि बीमारी को कम करके दशार्या जा सके एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि उनके समय में 60% तक पॉजिटिव केसों को नेगेटिव करार दे दिया जाता था परंतु अब स्थिति उससे भी विकेट हो गई है अब 90 से 95% तक मरीजों को नेगेटिव करार दिया जा रहा है जिससे नुकसान यह होगा कि स्वास्थ्य विभाग नेगेटिव करार दिए गए मरीजों के इलाकों में आवश्यक प्रीवेंटिंग कदम नहीं उठाएगा जिससे बीमारी फैलने की संभावना कई गुना बढ़ जाएगी और ऐसा हो भी रहा है।

जिला मलेरिया अफसर को लगाया मेडिकल बिलों पर

डेंगू के सीजन में जबकि अधिकारियों को हर समय सतर्क रहना होता है ऐसे में विभाग द्वारा जिला मलेरिया अफसर को मेडिकल बिल पास करने पर लगा दिया है जिससे विभाग की मानसिकता साफ दिखाई देती है कि डेंगू की महामारी की रोकथाम करने के मामले में स्वास्थ्य अधिकारी गंभीर नहीं है जबकि अनियमित अधिकारियों को जो डेंगू के मामलों को निपटाने में परागंत नहीं है उन्हें डेंगू के मामलों की देखरेख पर नियुक्त किया गया है जिनका काम पॉजिटिविटी को काम करके दिखाना ही रह गया है।

क्या है डेंगू के लक्षण

विशेषज्ञों के अनुसार डेंगू के लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर लाल चकत्ते अथवा नाक या मसूड़ों से खून आने जैसे लक्षण डेंगू के संकेत हो सकते हैं। ऐसे में तुरंत किसी विशेषज्ञ अथवा निकट के अस्पताल में अपनी जांच करानी चाहिए।

संदिग्ध मरीजों के इलाकों में फोकल स्प्रे नहीं हो रहा

जिन मरीजों की रिपोर्ट्स को नेगेटिव बताया गया है उनके इलाकों में फोकल स्प्रे स्वास्थ्य विभाग द्वारा नहीं किया जा रहा जबकि निर्धारित नियमो के अनुसार जिन इलाकों में संदिग्ध मरीज सामने आए वहां मरीज के घर के आसपास 20 घरों के क्षेत्र में फोकल स्प्रे करना आवश्यक होता है।

आर-4 सड़क के रास्ते में बना अवैध निर्माण ढहाया, नगर परिषद की बड़ी कार्रवाई

जीरकपुर/यूटर्न/04 अगस्त। शहर के मास्टर प्लान के तहत प्रस्तावित आर-4 सड़क और वीआईपी रोड क्षेत्र में अवैध निमार्णों के खिलाफ नगर परिषद ने कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार को नगर परिषद की इंफोर्समेंट टीम ने आर-4 सड़क के निर्धारित मार्ग में बन रही एक अवैध दुकान को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान निर्माण कार्य भी तुरंत रुकवा दिया गया। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) परमिंदर सिंह भट्टी के निर्देश पर बिल्डिंग इंस्पेक्टर अजय बराड़ के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि आर-4 सड़क शहर की भविष्य की यातायात व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है और इसके मार्ग में किसी भी तरह का अतिक्रमण या अवैध निर्माण स्वीकार नहीं किया जाएगा। बिल्डिंग इंस्पेक्टर अजय बराड़ ने बताया कि आर-4 सड़क की भूमि पर हो रहे अवैध निमार्णों पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़क के निर्धारित क्षेत्र में निर्माण करने वालों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई जारी रहेगी।

क्या लालू और नीतीश के बाद प्रशांत किशोर बिहार के अगले बड़े नेता होंगे?

करीब तीन दशकों से बिहार की राजनीति दो बड़े नेताओं—नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव—के इर्द-गिर्द घूमती रही है। चुनावों में सरकारें बदलीं, गठबंधन बार-बार बदले और नए नारे आए-गए, लेकिन सत्ता का केंद्र लगभग वही बना रहा। बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जबरदस्त जीत के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या बिहार में एक भरोसेमंद 'तीसरे ध्रुव' (इँ१ स्त्रङ्गी) का उदय हो रहा है—या फिर यह सिर्फ़ एक और महत्वाकांक्षी चुनौती देने वाले का आगमन है?

संदीप शर्मा, सम्पादक

बांकीपुर की जीत का महत्व सिर्फ़ एक विधानसभा सीट तक सीमित नहीं है। बीजेपी को उसके गढ़ माने जाने वाले क्षेत्र में हराकर किशोर ने वह कर दिखाया है जिसे कई लोग नामुमकिन मानते थे। इससे भी अहम बात यह है कि उन्होंने खुद को भारत के सबसे मशहूर चुनावी रणनीतिकार से एक ऐसे चुने हुए राजनेता में बदल लिया है, जिसे जनता का स्पष्ट समर्थन हासिल है। बरसों तक किशोर जीत दिलाने वाले अभियानों के पीछे की ताकत रहे; आज वे खुद एक अभियान का चेहरा बन गए हैं।

फिर भी, एक जीत—चाहे वह कितनी भी प्रतीकात्मक क्यों न हो—किसी को पूरे राज्य का नेता नहीं बनाती। बिहार में कई बार राजनीतिक उत्साह की लहरें उठीं, लेकिन वे स्थायी आंदोलन बनने से पहले ही खत्म हो गई। यह राज्य करिश्मे के साथ-साथ संगठन, जातिगत समीकरण, कैडर की ताकत और धैर्यपूर्वक क्षेत्र में पकड़ बनाने को भी महत्व देता है। अब 'जन सुराज' को उसके नारों से नहीं, बल्कि इस बात से परखा जाएगा कि क्या वह बांकीपुर जैसी सफलता को दर्जनों अन्य विधानसभा क्षेत्रों में दोहरा सकता है।

किशोर के पक्ष में एक बात यह है कि वे ऐसी राजनीतिक जगह भरने की कोशिश कर रहे हैं जो हैरानी की हद तक खाली रही है। नीतीश कुमार की लोकप्रियता का आधार सुशासन और सामाजिक इंजीनियरिंग रहा है। लालू प्रसाद की विरासत सामाजिक न्याय और पिछड़ी जातियों को एकजुट करने पर टिकी रही है। बीजेपी का विस्तार लगातार हुआ है, लेकिन ज्यादातर ठउ्ब के ढांचे के जरिए। इन ध्रुवों के बीच, कई युवा और शहरी मतदाताओं ने ऐसी राजनीति की तलाश की है जो विरासत में मिली राजनीतिक निष्ठाओं के बजाय सुशासन, शिक्षा, रोजगार और संस्थागत सुधारों की बात करे।

किशोर ने सोच-समझकर खुद को उसी जगह स्थापित करने की कोशिश की है। जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ने, गांवों में बातचीत करने और सुशासन में सुधार पर जोर देने की उनकी बरसों की कोशिशों ने उन्हें एक ऐसा संगठनात्मक आधार दिया है जो उन्हें उन नेताओं से अलग करता है जो सिर्फ़ चुनाव के समय ही सामने आते हैं। लेकिन चुनौतियां अभी भी बहुत बड़ी हैं।

नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के उलट, किशोर ने अभी तक यह साबित नहीं किया है कि वे बिहार के जटिल जातिगत समीकरणों से ऊपर उठकर एक स्थायी सामाजिक गठबंधन बना सकते हैं। बिहार में चुनावी सफलता शायद ही कभी सिर्फ़ नैरेटिव (कहानी या विमर्श) पर निर्भर रही हो। इसके लिए बूथ मैनेजमेंट, स्थानीय नेतृत्व, लगातार लोगों को एकजुट करने की कोशिश और सबसे बढ़कर, कई चुनावों के दौरान बने भरोसे की जरूरत होती है।

किशोर के सामने एक और अनोखी चुनौती है। एक पॉलिटिकल स्ट्रैटेजिस्ट के तौर पर, उन्होंने खुद नेता बनने के बजाय नेताओं का बेहतर विश्लेषण करने के लिए पहचान बनाई है। हालाँकि, वोटर नेताओं को अलग नजरिए से देखते हैं। वे विचारधारा में स्पष्टता, दबाव में एक जैसा व्यवहार और जवाबदेही की उम्मीद करते हैं, जो कंसल्टेंट को शायद ही कभी देनी पड़ती है। सरकारों को सलाह देने से लेकर जनता का समर्थन हासिल करने तक का सफर, कैंपेन की रणनीति बनाने से कहीं ज्यादा मुश्किल है।

लेकिन फि लहाल बाकीपुर ने बिहार की राजनीतिक चर्चा का रुख बदल दिया है। देखते हैं कि यह आगे कहाँ तक जाता है।

चंडीगढ़

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

05 बुधवार, 05 अगस्त 2026

पेज 12 भाजपा ने शुरू किया 'समरसता संकल्प...

E20 पेट्रोल के मुद्दे पर केजरीवाल और AAP नेताओं का PM आवास की ओर मार्च; पुलिस ने रोका

चंडीगढ़/यूटर्न/04 अगस्त। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को अअढ के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी के अन्य नेताओं को प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च करने से रोक दिया। वे E20 पेट्रोल के खिलाफ 2.30 लाख से ज्यादा लोगों की याचिकाएँ सौंपने के लिए लगभग 100 लोगों के साथ जा रहे थे। इसके बाद उन्होंने फिरोज शाह रोड पर विरोध प्रदर्शन किया।

पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद केजरीवाल, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, AAP नेता जैस्मीन शाह और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ सड़क पर बैठ गए। AAP ने देश भर के लोगों से इकट्ठा की गई याचिकाएँ सौंपने के लिए यह मार्च शुरू किया था। ये याचिकाएँ सरकार की ए20 पेट्रोल को बढ़ावा देने की नीति के खिलाफ थीं। पार्टी का आरोप है कि इथेनॉल-मिश्रित ईंधन से वाहन मालिकों पर बुरा असर पड़ रहा है।

मार्च से पहले समर्थकों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी देश भर के लोगों द्वारा हस्ताक्षरित 2.30 लाख से ज्यादा याचिकाएँ लेकर जा रही है और उन्होंने सरकार से करोड़ों वाहन मालिकों की चिंताओं को सुनने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, हम देश भर के लोगों द्वारा हस्ताक्षरित 2.30 लाख से ज्यादा याचिकाएँ लेकर प्रधानमंत्री आवास जा रहे हैं। हम चाहते हैं कि सरकार उन करोड़ों वाहन मालिकों की चिंताओं को सुने जिन्हें ए20 पेट्रोल के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को 5, फिरोज शाह रोड से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। पुलिस के एक सूत्र ने कहा, 'किसी को भी 5, फिरोज शाह रोड से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। हमने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों सहित पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं।'

यह विरोध प्रदर्शन AAP द्वारा 'इथेनॉल टाउन हॉल' आयोजित करने और E20 ईंधन के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान शुरू करने के कुछ दिनों बाद हो रहा है। केजरीवाल ने इससे पहले प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा के लिए समय माँगा था। उन्होंने यह भी माँग की थी कि उपभोक्ताओं को ईंधन स्टेशनों पर शुद्ध पेट्रोल और ए20 के बीच चयन करने का विकल्प दिया जाए।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जनता द्वारा चिंताएँ जताए जाने के बावजूद सरकार इस नीति को जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा, 'लोग पूछ रहे हैं कि गाड़ी मालिकों की शिकायतों के बावजूद सरकार E20 पेट्रोल क्यों थोप रही है। हम बस इतना चाहते हैं कि लोगों के पास शुद्ध पेट्रोल और E20 में से किसी एक को चुनने का विकल्प हो, और अगर E20 को बढ़ावा दिया जा रहा है, तो इसे कम कीमत पर बेचा जाना चाहिए।'

विधायक बग्गा के विकास कार्यों से प्रभावित होकर आप में शामिल हुए भाजपा के दर्जनों कार्यकर्ता

लुधियाना/यूटर्न/4 अगस्त। आम आदमी पार्टी की नीतियों और विधायक चौ. मदन लाल बग्गा के विकास कार्यो से प्रभावित होकर बैंक कॉलोनी के दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओ ने सोमवार को आप का दामन थाम लिया। विधायक चौ.मदन लाल बग्गा ने सलेम टाबरी स्थित कार्यलय में आयोजित समारोह में भ्रमदास, सुभाष डोगरा, दर्शन डोगरा, अश्वनी कुमार,रमेश ठाकुर, विजय कुमार काला, मनीष अवस्थी, प्रवीण गोपी व उन्के साथियो का स्वागत कर पार्टी में शामिल करवाया। बग्गा ने आप परिवार में बढ़ौतरी होने का जिक्र करते हुए कहा मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में जमीनी स्तर पर पूरी हो रही गारंटियों व

विधानसभा उतरी में विकास की अंधेरी से प्रभावित होकर प्रतिदिन लोग आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। आम नागरिक आप सरकार के शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और सड़कों के कामों से खुश होकर पार्टी की तरफ आर्कषित हो रहा है। इस अवसर आम आदमी पार्टी के जिला, ब्लाक, वार्ड स्तर के पदाधिक्कारी भी उपस्थित रहे।

खंडहरनुमा इमारत में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

जीरकपुर/यूटर्न/04 अगस्त। सिंहपुरा चौक से नगला जाने वाली सड़क पर स्थित एक खंडहरनुमा इमारत में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार टेंपो यूनियन के प्रधान ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी कि खंडहर पड़ी इमारत के अंदर एक व्यक्ति का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि शव कई दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। शव में कीड़े पड़ चुके थे और वहां से तेज दुर्गंध आ रही थी। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में शव काफी पुराना लग रहा है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

सावन के प्रथम सोमवार पर डिस्ट्रिक्ट टैक्सेशन बार एसोसिएशन ने कराया महा रुद्राभिषेक

लुधियाना/यूटर्न/4 अगस्त। सावन के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर डिस्ट्रिक्ट टैक्सेशन बार एसोसिएशन की ओर से महा रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम वकील भाईचारे की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं न्याय व्यवस्था में सफलता की कामना के लिए आयोजित किया गया। इस अवसर पर भोले बाबा का विधि-विधान से रुद्राभिषेक कराने के लिए चहेला से विशेष रूप से पंडित जी आमंत्रित किए गए। इस दौरान वकील भाईचारे ने भगवान शिव से सभी अधिवक्ताओं, उनके परिवारों तथा समाज के कल्याण, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना का विशेष पर्व है और ऐसे धार्मिक आयोजनों से आपसी प्रेम, भाईचारा और आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है। इस मौके पर एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिनमें एडवोकेट साकेत गर्ग, रमेश शर्मा, राकेश अरोड़ा, गौतम भल्ला, ओ.पी. मिगलानी, संजय तलवार, सुनील शर्मा, मोहिंदर ग्रोवर, विवेक बजाज, मुनीश राजपाल, मनोज बजाज, चंदर सहगल, मुकेश करवाल, युवप्रीत राजपाल, विनोद कुमार, ऋषभ गर्ग, उपिंदर गोयल, अरुण कंवल, रवि जोशी, योगेश अरोड़ा, प्रिंस विवेक, सुतीक्षण टंडन, जसविंदर सिंह, गोपाल पुरबा, दीपिका, रेनू सिंगला, आशा शर्मा, प्रिया उपस्थित रहे।

लुधियाना के 6 खिलाड़ियों ने बनाया इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान, शहर का बढ़ाया मान

लुधियाना/यूटर्न/4 अगस्त। लुधियाना के लिए गर्व का पल तब साबित हुआ जब लुधियाना के छह प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपनी असाधारण खेल और योग प्रतिभा के दम पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराकर शहर और पंजाब का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि जीआरडी स्थित संदीप्स स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने कोच संदीप चौधरी और श्रृष्टि चौधरी के कुशल मार्गदर्शन में हासिल की। कोच संदीप चौधरी ने बताया कि इन बच्चों ने कठिन अभ्यास, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान बनाने वाले खिलाड़ी में आयात सिंगला ने डांस करते हुए हुला हूप के अधिकतम एंटी-क्लॉकवाइज स्पिन का रिकॉर्ड बनाया। ज्याश जैन ने बिना रुके हुला हूप के अधिकतम एंटी-क्लॉकवाइज स्पिन, वायरा चौधरी ने चक्रासन मुद्रा में जिम्नास्टिक पैरेलल बार पर चलते हुए सबसे अधिक समय तक संतुलन बनाने, मेहर मल्होत्रा ने जिम्नास्टिक बार पर उल्टा लटकते हुए सबसे कम समय में जैकेट पहनने और उतारने, याहवी जैन ने सीटेड वाइड लेग स्प्लिट योग मुद्रा में सबसे अधिक समय तक बने रहने, शनाया जैन ने दरवाजे के सहारे त्रिविक्रमासन (स्टैंडिंग स्प्लिट) योग मुद्रा में सबसे लंबे समय तक बने रहने का रिकॉर्ड बनाया।

लोहगढ़ के किराये के मकान में नशा सेवन की सूचना पर पुलिस का छापा, चार हिरासत में

जीरकपुर/यूटर्न/04 अगस्त। जीरकपुर पुलिस ने नशा सेवन की सूचना पर कार्रवाई करते हुए लोहगढ़ स्थित सिग्मा चौक के एक किराये के मकान से दो युवकों और दो युवतियों को हिरासत में लिया है। पुलिस का आरोप है कि पकड़े गए लोग नशे के आदी हैं और अन्य युवाओं को भी नशे की लत लगाने का काम कर रहे थे। सभी आरोपियों का मेडिकल और डोप टेस्ट कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार सोमवार को एएसआई गुरफतेह सिंह, पीएचजी सुरिंदर सिंह और पुलिस टीम कोहिनूर ढाबा क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि लोहगढ़ के सिग्मा चौक स्थित मकान नंबर-31 में कुछ युवक-युवती नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे हैं और उनकी हालत गंभीर है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर छापा मारकर चार लोगों को हिरासत में ले लिया। आरोपियों की पहचान सैम वर्मा निवासी राडौर रोड, जिला यमुनानगर (हरियाणा), मणि सिंह निवासी गांव रामपुर कलां, नीरज कुमार निवासी गांव रामपुर कलां तथा आरती निवासी हीरा कॉलोनी, बहादुरगढ़ (जिला पटियाला) के रूप में हुई है।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

राहुल और मीनू राठौर विवाद क्या हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था इसका जवाब देगी?

राहुल और मीनू राठौर से जुड़े विवाद ने एक बार फिर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। दोनो पति पत्नी ने अपना ivf इलाज करवाया और 2026 की शुरूआत में उन्हें बताया गया कि उनकी दो जुड़वा बेटियाँ पैदा हुई हैं। पर बच्चों की शक्ल सूरत परिवार में किसी से भी न मिलने के कारण दंपति ने अपनी शंका दूर करने के लिए बच्चों का DNA टैस्ट करवाया जिसमें पता चला की बच्चियों का DNA दंपति से मिलता ही नहीं था। बस यहीं से विवाद शुरू हुआ दंपति का कहना है कि उनके ivf सैपल में कुछ हेरफेर हुई है, दंपति जगह-जगह अपने असली इन्साफ की तलाश में ठोकरें खाते फिर रहें हैं और न्याय की गुहार लगा रहे हैं। न्याय तो जब मिलेगा तब देखा जाएगा। प्रशंसनीय बात यह है कि दंपति ने हिम्मत जुटाकर लापरवाही के खिलाफ आवाज उठाई है। इसके अलावा कई बार किसी अस्पताल में केवल कुछ लाख रुपये के लालच में नवजात शिशुओं की अदला-बदली जैसी घटनाएँ होती हैं, तो यह केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। ऐसे मामले लोगों के अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों पर से विश्वास को कमजोर करते हैं। यह घटना इस बात की ओर भी संकेत करती है कि कई स्थानों पर निगरानी व्यवस्था, जवाबदेही और नैतिक मूल्यों में सुधार की आवश्यकता है।

अस्पतालों में ivf सैपल या नवजात शिशुओं की पहचान के लिए आधुनिक तकनीक, जैसे डिजिटल टैगिंग, बायोमेट्रिक सत्यापन और सीसीटीवी निगरानी का प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए। साथ ही, दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति पैसों के लिए मानवता से खिलवाड़ करने का साहस न कर सके। हालाँकि, किसी भी विवाद में अंतिम निष्कर्ष न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही निकाला जाना चाहिए। समाज और प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जांच हो, पीड़ितों को न्याय मिले और स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित तथा भरोसेमंद बनाया जाए।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

Courier में सामान खो जाए या टूट जाए, तो क्या करें?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आज Online Shopping और Courier Service हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि भेजा गया सामान रास्ते में खो जाता है, गलत पते पर पहुंच जाता है या टूटी-फूटी हालत में मिलता है। ऐसे में सवाल उठता है कि नुकसान की जिम्मेदारी किसकी होगी?

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि जब आप किसी Courier Company को सामान सौंपते हैं, तो वह उसे सुरक्षित तरीके से तय स्थान तक पहुंचाने की जिम्मेदारी लेती है। यदि लापरवाही के कारण सामान खो जाता है या क्षतिग्रस्त हो जाता है, तो ग्राहक अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकता है।

यदि आपको Parcel क्षतिग्रस्त हालत में मिले, तो उसे तुरंत जांचें। यदि संभव हो, तो Delivery Boy के सामने ही पैकेट खोलें। टूटे हुए सामान की Photo और Video बना लें और पैकेट की Packing भी संभालकर रखें। ये सब आगे शिकायत करने में महत्वपूर्ण सबूत बन सकते हैं।

यदि Parcel मिला ही नहीं है, लेकिन Delivery का Message आ गया है, तो तुरंत Courier Company से संपर्क करें। शिकायत दर्ज कराएं और Complaint Number जरूर लें। देरी करने से कई बार जांच मुश्किल हो जाती है।

कई Courier Companies अपने नियमों में Compensation की सीमा भी तय करती हैं। इसलिए महंगा सामान भेजते समय उसकी Value Declare करना और आवश्यकता हो तो Insurance करवाना समझदारी होती है।

यदि Courier Company उचित समाधान नहीं देती और आपको आर्थिक नुकसान होता है, तो उपलब्ध कानूनी उपायों का सहारा लिया जा सकता है। इसलिए Invoice, Booking Receipt, Tracking Details और सभी बातचीत का रिकॉर्ड सुरक्षित रखें।

निष्कर्ष: Courier भेजते समय केवल Tracking Number संभालना ही काफी नहीं है। Receipt, Invoice और Parcel की जानकारी भी सुरक्षित रखें। यदि सामान खो जाए या टूट जाए, तो तुरंत शिकायत करें। समय पर की गई कार्रवाई से आपके अधिकारों की रक्षा करना आसान हो जाता है।

श्रृंखलाबद्ध सवा लाख श्री हनुमान चालीसा पाठ का संकल्प बना सनातन जागरण का महाअभियान

श्री हनुमान चालीसा पाठ से जुड़े प्रत्येक भक्त का नाम श्री बालाजी के चरणों में समर्पित होगा : अमन ऋषि जैन / अनुज मदान

लुधियाना/यूटर्न/04 अगस्त। सिद्ध पीठ महाबली संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर, जोशी नगर धाम, शंकराचार्य नगर में साप्ताहिक श्रृंखलाबद्ध 1357वां हवन यज्ञ मंदिर के प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन एवं उपप्रधान अनुज मदान की अध्यक्षता में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। प्रातःकाल आयोजित हवन यज्ञ में यजमान परिवार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुति अर्पित कर धर्म लाभ प्राप्त किया। मंदिर के आचार्य देवी दयाल जी, आचार्य राम जी, आचार्य विश्राम जी, आचार्य संजय जी, आचार्य सुरेश जी एवं आचार्य नारायण जी ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ हवन यज्ञ संपन्न करवाया। इस अवसर पर प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन एवं उपप्रधान अनुज मदान ने बताया कि सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार एवं जन-जन में श्री हनुमान जी के प्रति अटूट श्रद्धा जागृत करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया एवं मंदिर परिसर के माध्यम से श्रृंखलाबद्ध सवा लाख श्री हनुमान चालीसा पाठ का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान श्रद्धालुओं को भक्ति, संस्कार और सनातन संस्कृति से जोड़ने का एक सतत प्रयास है। उपप्रधान अनुज मदान ने बताया कि प्रत्येक मंगलवार हवन यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं को इस संकल्प की जानकारी विस्तारपूर्वक दी जाती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से भक्तों द्वारा किए जा रहे प्रत्येक श्री हनुमान चालीसा पाठ का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा रहा है। सवा लाख पाठ पूर्ण होने पर सभी श्रद्धालुओं के नामों की सूची श्रृंखलाबद्ध हवन यज्ञ में श्री बालाजी महाराज के श्रीचरणों में समर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा कि श्री बालाजी के प्रति भक्ति का यह पावन अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

हवन यज्ञ के दौरान जय माता क्लब एवं माता चिंतपूर्णी ट्रस्ट के करण नागपाल एवं सोनू अरोड़ा मुख्य रूप से दिव्य दरबार में नतमस्तक हुए।

स्प्रिंग डेल स्कूल भगवान भोलेनाथ जी के जयकारों से गूंजा

लुधियाना/यूटर्न/4 अगस्त। स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल में सावन महीने की शुरूआत बड़ी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ हुई। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह की प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें प्रबंधकीय कमेटी, अध्यापक और छात्रों ने हिस्सा लिया और भगवान शिव की स्तुति की। इस मौके पर भगवान शिव की आरती की गई, जिससे पूरा स्कूल भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। इसके बाद वैदिक मंत्रों के जाप के बीच हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। हवन में स्कूल की माननीय चेयरपर्सन मैडम अविनाश कौर वालिया, डायरेक्टर मंदीप वालिया, कमलप्रीत कौर और प्रिंसिपल अनिल कुमार शर्मा, टीचर्स और स्टूडेंट्स ने आहुतियां दीं और विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के आखिर में सभी छात्रों, अध्यापकों और कर्मचारियों को प्रसाद बांटा गया। इस मौके पर स्कूल की चेयरपर्सन मैडम अविनाश कौर वालिया ने अपने संबोधन में कहा कि सावन का महीना भारतीय संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक आयोजन छात्रों में नैतिक मूल्यों, भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान और आध्यात्मिक जागरूकता को मजबूत करते हैं। इसके साथ ही डायरेक्टर्स मंदीप वालिया, कमलप्रीत कौर और प्रिंसिपल अनिल कुमार शर्मा ने भी सभी बच्चों को अध्यात्म के पथ पर चलकर अपनी ज़िंदगी रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

आरती स्टील्स ओडिशा से करीब 4 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी, तीन निदेशकों पर एफआईआर

Aarti

लुधियाना, 4 अगस्त। ओडिशा की प्रतिष्ठित कंपनी आरती स्टील्स लिमिटेडओडिशा से करीब चार करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में इंस्टिंक्ट इंफ्रा एंड पावर लिमिटेड के निदेशक रवि गुप्ता, सलिल गुप्ता तथा कंपनी की पूर्व निदेशक स्वाति मित्तल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने बकाया भुगतान करने का आश्वासन देकर राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में चल रही दिवालिया (इंसॉल्वेंसी) प्रक्रिया वापस करवाने के बाद भी तय राशि का भुगतान नहीं किया। शिकायत के अनुसार दोनों पक्षों के बीच समझौते के आधार पर भुगतान करने का वादा किया गया था, जिसके बाद आरती स्टील्स लिमिटेड ने एनसीएलटी में लंबित दिवालिया प्रक्रिया वापस ले ली।

Uturn Time 05 Aug 2026_Layout 2 04-08-2026 23:52 Page 7

संदीप संधू की एंट्री से बिगड़े राजा वड़िंग और आशु के 'मधुर' सियासी रिश्ते! मदन लाल जलालपुर के बड़े खुलासे

बोले–मेरी सलाह पर आगे आया था राजा वड़िंग का नाम; राहुल गांधी के सामने वड़िंग और राणा गुरजीत का दिया था विकल्प

–नवीन गोगना –

लुधियाना/यूटर्न/04 अगस्त। पंजाब कांग्रेस की अंदरूनी सियासत में चल रही खींचतान के बीच कांग्रेस नेता मदन लाल जलालपुर ने कई बड़े दावे कर सियासी हलचल तेज कर दी है। मीडिया से बातचीत दोरान जलालपुर ने न केवल पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की नियुक्ति से जुड़ी अंदरूनी कहानी बताई, बल्कि राजा वड़िंग और भारत भूषण आशु के बीच बदले सियासी समीकरणों के लिए संदीप संधू की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

जलालपुर का दावा है कि एक समय राजा वड़िंग और भारत भूषण आशु की जोड़ी बेहतरीन तरीके से काम कर रही थी, लेकिन संदीप संधू के प्रभाव बढ़ने के बाद दोनों नेताओं के बीच सियासी दूरियां बढ़ती चली गई। इतना ही नहीं, जलालपुर ने टिकट के दावेदारों से कथित तौर पर लाखों रुपये खर्च करवाए जाने की शिकायतों का जिक्र कर पंजाब कांग्रेस की अंदरूनी कार्यप्रणाली पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

मेरी सलाह पर आगे आया था राजा वड़िंग का नाम

मदनलाल जलालपुर ने दावा किया कि जब पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष को लेकर मंथन चल रहा था, तब उनसे भी राय ली गई थी। राहुल गांधी के सामने उनसे पूछा गया कि पंजाब कांग्रेस की कमान किसे सौंपी जानी चाहिए। जलालपुर के मुताबिक उन्होंने पहली पसंद के तौर पर राजा वड़िंग और दूसरे विकल्प के रूप में राणा गुरजीत सिंह का नाम रखा था। जलालपुर ने कहा कि राजा वड़िंग का नाम आगे रखने के पीछे उनकी सोच साफ थी—पार्टी को युवा नेतृत्व की जरूरत थी और वड़िंग युवा तथा सक्रिय चेहरा थे। वहीं राणा गुरजीत सिंह को लेकर उनका तर्क था कि वे अनुभवी और साधन–संपन्न हैं तथा संगठन और पार्टी कार्यालय को मजबूती से चला सकते हैं। ओर साथ ही यह भी कहा की जट्ट सिख प्रधान बनाओ तो साथ मजबूत हिंदू चेहरा भी लगाओ्र जलालपुर के मुताबिक उन्होंने हाईकमान के सामने पंजाब के सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों को लेकर भी अपनी राय रखी थी। उन्होंने दावा किया कि उनकी सलाह थी कि यदि पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष किसी जट्ट सिख नेता को बनाया जाता है तो उसके साथ एक मजबूत हिंदू चेहरे को भी बड़ी जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। इसी दौरान उन्होंने भारत भूषण आशु का नाम सुझाया। जलालपुर के मुताबिक उन्होंने हाईकमान से कहा था कि आशु मजबूत और निडर नेता हैं। राजा वड़िंग और आशु की जोड़ी पंजाब कांग्रेस के लिए मजबूत राजनीतिक समीकरण तैयार कर सकती है—एक तरफ जट्ट सिख नेतृत्व और दूसरी तरफ मजबूत हिंदू चेहरा। इसके बाद राजा वड़िंग को पंजाब कांग्रेस की कमान मिली और भारत भूषण आशु को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जलालपुर ने इसके साथ ही बड़ा सवाल खड़ा किया

जब राजा वड़िंग को अध्यक्ष बनाया गया था, तब पार्टी के कई नेता उनके युवा होने को उनकी सबसे बड़ी ताकत बताते थे और उन्हें आगे लाने की वकालत करते थे। जब जलालपुर से यह पुछा गया की फिर आखिर ऐसा क्या हुआ कि अब उन्हीं वड़िंग के खिलाफ आवाजें उठने लगीं? ओर आप बडिंग बिरोधी आवाज उठाने वाले में सबसे पहली कतार में हो तो जलालपुर का जवाब था की राजा–आशु की जोड़ी थी मजबूत, फिर कहां से आई सियासी दरार? उनका दावा है कि जब तक राजा वड़िंग और आशु मिलकर संगठन का कामकाज संभाल रहे थे, तब तक पंजाब कांग्रेस का काम बेहतर तरीके से चल रहा था। राजा वड़िंग संगठन का राजनीतिक चेहरा थे और आशु संगठन तथा कार्यालय के कामकाज में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। लेकिन जलालपुर के मुताबिक इसी बीच संदीप संधू की एंट्री ने पूरा सियासी समीकरण बदल दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे–जैसे संदीप संधू का प्रभाव राजा वड़िंग के आसपास बढ़ा, वैसे–वैसे भारत भूषण आशु पीछे होते चले गए। इसके बाद राजा वड़िंग की कार्यशैली में भी बदलाव दिखाई देने लगा। संदीप संधू पर जलालपुर का सीधा हमला करते.हूए कहा कि संदीप संधू ने धीरे–धीरे राजा वड़िंग के आसपास अपनी पकड़ मजबूत की और भारत भूषण आशु को सियासी तौर पर पीछे करने में भूमिका निभाई। जलालपुर के मुताबिक राजा वड़िंग पहले भारत भूषण आशु की बात को काफी अहमियत देते थे। उनका दावा है कि बाद में परिस्थितियां बदलीं, आशु पीछे होते गए और संदीप संधू का प्रभाव लगातार बढ़ता गया। जलालपुर ने यहां तक आरोप लगाया कि संदीप संधू के बढ़ते प्रभाव के बाद राजा वड़िंग को राजनीतिक रूप से ऐसी दिशा में ले जाया गया, जिसका नुकसान अब पार्टी के अंदर दिखाई देने लगा है। मगर जब उनसे यह कहा गया की संधू एक सुलझे राजनीतिज्ञ है कैप्टन अमरिंदर जेसे मुख्यमन्त्री के साथ उनकी टीम मे काम करना कोई छोटी बात नही स्टेज सम्भालने वाले अच्छे प्रवक्ता है आप इतने बडे आरोप आज ही क्यू लगा रहे हो तो वह कोई स्पष्ट उतर नही.दे पाए मगर जब संदीप संधू से उनका पक्ष जानने की कोशिश की तो एक सुलझे हुए प्रवक्ता की तरह उनका कहना था की स्थिति दो तीन दिन में क्लीयर हो जायेगी जलालपुर के मुताबिक अगर किसी व्यक्ति को पहले आगे बढ़ाया जाए, वह पार्टी के लिए लाखों रुपये खर्च करे और बाद में अचानक उसे किनारे कर किसी दूसरे व्यक्ति को आगे कर दिया जाए तो इससे केवल उस नेता की नाराजगी नहीं बढ़ती, बल्कि पार्टी को भी इसका बड़ा राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। जलालपुर के इन दावों ने पंजाब कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है। खास तौर पर राजा वड़िंग–भारत भूषण आशु के रिश्तों में आई कथित दूरी, संदीप संधू के बढ़ते प्रभाव और टिकट के दावेदारों द्वारा लाखों रुपये खर्च किए जाने की शिकायतों ने कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अब नजर इस बात पर रहेगी कि जलालपुर के इन गंभीर आरोपों पर राजा वड़िंग, संदीप संधू और पंजाब कांग्रेस के दूसरे नेता क्या जवाब देते हैं। मगर माहिर का कहना है की जिस प्रकार जलालपुर मीडिया में ब्यानवाजी कर रहे है उस हिसाब से हमे नही लगता वह दूबारा पार्टी प्लेटफॉर्म पर खडे हो पाए क्योकि हम मानते है जलालपुर एक सुलझे नेता पहले थे मगर जो बयानबाजी पिछले कुछ दिनो से वह खूलकर मीडिया में कर रहै है कोई भी पार्टी इसे सहन नही करेगी।

जरा–सी बारिश और रोज गार्डन में 'धंस' गई जमीन!

महज 5 फुट दूर थी महिला, चंद कदम और आगे बढ़ती तो हो सकती थी अनहोनी

–नवीन गोगना–

लुधियाना/यूटर्न/04 अगस्त। शहर के प्रसिद्ध नेहरू रोज गार्डन में जरा–सी बारिश के बाद जमीन धंसने की घटना ने हड़कंप मचा दिया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जिस समय जमीन धंसी, एक महिला वहां से गुजर रही थी और घटनास्थल से उसकी दूरी महज करीब 5 फुट बताई जा रही है। गनीमत रही कि महिला कुछ कदम पीछे थी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। चश्मदीदों के मुताबिक अचानक जमीन धंसने से वहां मौजूद लोग भी सहम गए। घटना के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि आखिर रोज गार्डन जैसे सार्वजनिक और व्यस्त स्थान पर जमीन इस तरह धंसी कैसे?

पाइपलाइन बिछी, लेकिन मिट्टी सही ढंग से दबाई गई या नहीं?

पता चला है कि कुछ समय पहले एक निजी कंपनी की ओर से रोज गार्डन के इस हिस्से में बड़े आकार की वाटर एवं सीवरेज पाइपलाइन बिछाई गई थी। इसके लिए जमीन की खुदाई की गई और पाइप डालने के बाद मिट्टी भर दी गई।

अब बारिश के बाद उसी इलाके में जमीन धंसने से काम की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। चश्मदीदों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि पाइपलाइन डालने के बाद मिट्टी को सही तरीके से दबाया नहीं गया, जिसके चलते बारिश पड़ते ही मिट्टी बैठ गई और जमीन धंस गई। हालांकि इस आरोप की संबंधित कंपनी अथवा नगर निगम की ओर से आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

कंपनी ने काम किया तो निगम के अधिकारी कहां थे?

घटना ने निजी कंपनी के साथ–साथ नगर निगम के वाटर एंड सीवरेज विभाग की निगरानी व्यवस्था को भी सवालों के घेरे में ला दिया है। सवाल यह है कि जब पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा हुआ तो क्या नगर निगम के संबंधित अधिकारियों ने मौके पर जाकर इसकी जांच की थी? क्या यह देखा गया कि पाइपलाइन के ऊपर डाली गई मिट्टी को निर्धारित तरीके से दबाया गया है? और क्या जमीन को लोगों के इस्तेमाल के लिए सुरक्षित घोषित करने से पहले उसकी मजबूती जांची गई थी?

बाल–बाल बची महिला, मगर घटना दे गई बड़ी चेतावनी...फिलहाल गनीमत यही रही कि कोई व्यक्ति धंसी जमीन की चपेट में नहीं आया। लेकिन रोज गार्डन की यह घटना संबंधित कंपनी और नगर निगम के लिए किसी बड़ी चेतावनी से कम नहीं है।
सवाल सीधा है—क्या किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है, या समय रहते पूरे इलाके की जांच कर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी?

अगर जांच हुई थी तो फिर जरा–सी बारिश में जमीन कैसे धंस गई?

भगवान न करे... सुबह सैर के समय होता हादसा तो कौन देता जवाब?

नेहरू रोज गार्डन में रोजाना सुबह बड़ी संख्या में बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और अन्य लोग सैर करने पहुंचते हैं। ऐसे में लोगों का सवाल है कि यदि यही घटना सुबह की सैर के व्यस्त समय में होती और कोई व्यक्ति धंसी हुई जमीन में गिर जाता तो जिम्मेदारी आखिर किसकी तय होती?

निजी कंपनी की...?
नगर निगम की...?

या फिर हादसे के बाद जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती?

इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन महज 5 फुट की दूरी से सुरक्षित निकली महिला ने व्यवस्था के सामने बड़ा सवाल जरूर छोड़ दिया है।

एक जगह धंसी जमीन, बाकी हिस्सा कितना सुरक्षित?

अब जरूरत सिर्फ धंसी हुई जगह पर मिट्टी डालकर मामला खत्म करने की नहीं, बल्कि उस पूरे हिस्से की तकनीकी जांच करवाने की है जहां पाइपलाइन बिछाई गई थी। कहीं जमीन के नीचे दूसरी जगहों पर भी मिट्टी खोखली तो नहीं हो चुकी? कहीं अगली बारिश में रोज गार्डन के किसी दूसरे हिस्से की जमीन तो नहीं धंस जाएगी?

शहरवासियों की सुरक्षा को देखते हुए नगर निगम प्रशासन के लिए इन सवालों का जवाब तलाशना बेहद जरूरी है।

पंजाब भाजपा प्रधान और संगठन मंत्री में महाभारत, संगठन नेतृत्व पर उठे गंभीर सवाल

संगठन मंत्री की 'मनमानी' से पार्टी में बगावत के सुर तेज

लुधियाना/यूटर्न/04 अगस्त। पंजाब भाजपा की नई कार्यकारिणी के गठन से के बाद पार्टी के भीतर बड़ा घमासान पैदा हो गया है। नई नियुक्तियों को लेकर शुरू हुआ विवाद अब खुले विरोध, इस्तीफों और नेतृत्व पर सवालों तक पहुंच गया है। पार्टी के अंदर चल रही गुटबाजी को लेकर कई नेताओं का कहना है कि पंजाब भाजपा का 'कांग्रेसीकरण' हो गया है। हालत ऐसे है कई नेताओं ने पंजाब के संगठन मंत्री पर सोशल मिडिया के जरिए बड़े गंभीर वित्तीय आरोप जड़ दिए है। नई कार्यकारणी में कुछ चेहरों को दी गई बड़ी जिम्मेवारियों को गत समय में हुए वित्तीय घोटालों से प्रभावित होने की चचाएं गर्म है। चचाओं की माने तो प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने भाजपा के राष्ट्रिय अध्यक्ष नितिन नवीन को पत्र लिखकर नई कार्यकारिणी के गठन के लिए उन्हें विश्वास में ना लिए जाने की बात तक कह डाली है। वही नई कमेटी में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के समर्थकों को किनारे किए जाने की भी चचाएं गर्म है।

पार्टी के भीतर चर्चा है कि संगठन महामंत्री मंत्री श्रीनिवासुलु ने अपनी मर्जी से कार्यकारिणी का गठन किया, जिससे वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ गई है। राजनीतिक हलकों में इसे लेकर यह टिप्पणी भी की जा रही

है कि जिस गुटबाजी के लिए कांग्रेस अक्सर चर्चा में रहती थी, अब वैसा ही ₹कांग्रेसीकरण₹ पंजाब भाजपा में भी देखने को मिल रहा है। वही नई कार्यकारणी में संगठन मंत्री द्वारा वित्तीय गड़बड़ियों की मैनेजमेंट के उद्देश्य से कइयों को बाहर करने और कइयों को बड़ी जिम्मेवारी सौंपने की भी निरंतर चचाएं है। विवाद उस समय और गहरा गया जब महज 15 दिनों के भीतर 6 जिला अध्यक्षों को बदल दिया गया। पार्टी के कई नेताओं का कहना है कि यह पहली बार है जब जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के कुछ ही दिनों बाद बदलाव करना पड़ा। साथ ही यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि संगठन महामंत्री श्रीनिवासुलु ने सीधे अपनी पसंद के अनुसार टीम की घोषणा की, जबकि प्रदेश नेतृत्व और स्थानीय नेताओं को विश्वास में नहीं लिया गया।

इस बीच होशियारपुर में जिला अध्यक्ष सतीश बावा को हटाकर नितिन गुप्ता 'नन्नू' की नियुक्ति के बाद विरोध में बावा का आत्म हत्या करने का मामला सोशल मिडिया पर पार्टी की छवि बिगड़ रहा है । पूर्व मंत्री तीक्ष्ण सूद और उनके समर्थकों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर संगठनात्मक पदों से इस्तीफे की घोषणा कर दी। हालांकि उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता बरकरार रखने की बात कही। उनके साथ 111 पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने भी अपने संगठनात्मक पद छोड़ने की घोषणा की। तीक्ष्ण सूद ने आरोप लगाया कि स्थानीय कार्यकताओं और वरिष्ठ नेताओं की राय को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। उनका कहना था कि जिला स्तर पर उठाए जा रहे मुद्दों को प्रदेश नेतृत्व गंभीरता से नहीं सुन रहा।

उधर, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल ने भी 34 वर्षों के लंबे जुड़ाव के बाद पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अपने बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में समर्पित और वैचारिक कार्यकताओं की उपेक्षा हो रही है, जबकि पक्षपात की संस्कृति बढ़ती जा रही है। 17 दिन में बदले गए संगरूर के प्रधान मनिंदर सिंह ने भी सार्वजनिक रूप से पंजाब भाजपा संगठन मंत्री की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जाहिर की है। उनका आरोप है कि वे संगठन मंत्री को बड़े धन्ना सेठो की तरह खुश नहीं कर पाए इसीलिए पार्टी के फैसले एकतरफा लिए जा रहे हैं और जमीनी कार्यकताओं की राय को महत्व नहीं दिया जा रहा।

चर्चा अनुसार बढ़ते विवाद के बीच प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों दिल्ली पहुंचे और उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से नई कार्यकारिणी को लेकर पार्टी और संगठन में बढ़ते असंतोष से अवगत करवाया हैं। हालांकि, भाजपा की ओर से इन आरोपों और अंदरूनी असंतोष पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन लगातार सामने आ रहे विरोध, इस्तीफों और नेताओं के बयानों ने पंजाब भाजपा के भीतर बढ़ती गुटबाजी और कथित ₹कांग्रेसीकरण₹ को लेकर राजनीतिक चचाओं को तेज कर दिया है।

पंजाब में एसआईआर प्रक्रिया का पहला फेज पूरा, 20 लाख फॉर्म वापिस नहीं मिले, 5.74 लाख की हो चुकी मौत, 4.12 लाख वोटर लापता

सबसे ज्यादा लुधियाना में चार लाख फॉर्म नहीं मिले वापिस

पंजाब/यूटर्न/4 अगस्त। पंजाब में वोटरों के लिए शुरू की गई स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस पूरी प्रक्रिया में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। दरअसल, स्टेट की 2 करोड़ 14 लाख 61 हजार 43 वोटरों की मैपिंग की गई। जिससे पता चला कि 5.74 लाख वोटरों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 4.12 लाख वोटर लापता है, जिनका कोई सुराग ही नहीं मिला। वह अपने एड्रेस पर ही नहीं पाए गए। वहीं करीब 20.77 लाख लोगों द्वारा एसआईआर के फॉर्म वापिस ही नहीं दिए गए। इसके अलावा सवा लाख वे लोग मिले, जिनकी दो-दो जगह वोट बनी हुई है। हालांकि इलेक्शन कमिशन द्वारा इस वोटर सूचि को दरूस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी के चलते कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बार नेताओं द्वारा डाली जाने वाली फर्जी वोट नहीं पड़ सकेगी।

२.14 करोड़ इन्यूमरेशन फॉर्म बांटे गए थे

वहीं बीएलओ की और से पूरे पंजाब में करीब 2.14 करोड़ इन्यूमरेशन फॉर्म बांटे गए थे। जिसमें से 1 करोड़ 93 लाख फॉर्म ही वापिस आए। जबकि बाकी फॉर्म अभी तक बीएलओज को नहीं मिले हैं। राज्य में 90.32% फॉर्म जमा होने के बाद अब करीब 20 लाख फॉर्मों को अनकलेक्टिड कैटेगरी में डाल दिया गया है। सबसे ज्यादा अनकलेक्टिड फॉर्म लुधियाना में हैं, जहां 4 लाख से ज्यादा फॉर्म वापस जमा नहीं हुए।

1२ अगस्त तक होगी वेरीफिकेशन

- इलेक्शन कमिशन की और से फॉर्म जमा कराने की आखिरी तारीख 3 अगस्त रखी गई थी। जिसके बाद अब 12 अगस्त तक सभी बीएलओ और ईआरओ इन्यूमरेशन फॉर्मों की वेरिफिकेशन करेंगे। दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इस दौरान मृत, ट्रांसफर, डुप्लीकेट और अनुपस्थित मतदाताओं की पहचान कर उन्हें सूचीबद्ध किया जाएगा और मुख्य ड्राफ्ट मतदाता सूची तैयार की जाएगी। 13 अगस्त को राज्य में ड्राफ्ट मतदाता सूची का आधिकारिक प्रकाशन कर दिया जाएगा। इस सूची को इलेक्शन कमिशन की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। इसके अलावा सभी बीएलओ/ईआरओ के पास भी लिस्टेंहोंगी। हर नागरिक सूची में अपना और अपने परिवार का नाम जांच सकेगा।

आपत्ति करवाई जा सकेगी दर्ज

- ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद पूरे 1 महीने का समय दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए मिलेगा। यदि किसी व्यक्ति का नाम ड्राफ्ट लिस्ट में शामिल नहीं हुआ है, तो वे फॉर्म 6, 7 या 8 भरकर ऑनलाइन या ऑफलाइन एतराज दर्ज करवा सकता है। जिसके बाद एआरओ सभी आपत्तियों का निपटारा करेंगे।

हल्का नॉर्थ में देर रात तक चला अभियान

जानकारी के अनुसार एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए आप लीडरों द्वारा एड़ी चोटी का जोर लगाया गया। हर विधायक अपने हल्के में वोटरों के नाम सूची में शामिल कराने में जूटा था। इसी तरह हल्का नॉर्थ में तड़के से लेकर देर रात तक एसआईआर लिस्टें तैयार की गई। विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा के नेतृत्व में घरों में जा जाकर वोटरों की लिस्टें बनाई गई। वहीं जगह जगह कैंप आयोजित किए गए, ताकि किसी भी वोटर से उसका वोट डालने का अधिकार न छीन सके।

काशी से लाई गई पवित्र मिट्टी गुरु रविदास गुरुद्वारा साहिब में स्थापित

डेराबस्सी के महमदपुर में कार्यक्रम, भाजपा नेताओं ने गुरु रविदास के समानता और भाईचारे के संदेश को अपनाने का किया आह्वान

डेराबस्सी/यूटर्न/04 अगस्त। श्री गुरु रविदास जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में भाजपा की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मंगलवार को काशी से लाई गई पवित्र मिट्टी गांव महमदपुर स्थित श्री गुरु रविदास गुरुद्वारा साहिब में श्रद्धापूर्वक स्थापित की गई। इस दौरान अरदास के बाद संगत को पवित्र मिट्टी के धार्मिक महत्व की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता मनप्रीत सिंह बन्नी संधू, मंडल अध्यक्ष पवन धीमान (पम्मा) सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य, रविदासिया समाज के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में संगत मौजूद रही। इस अवसर पर मनप्रीत सिंह बन्नी संधू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संतों, गुरुओं और समाज सुधारकों की विरासत को संरक्षित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी ने समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया, जिसे जन-जन तक पहुंचाना इस अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि काशी स्थित गुरु रविदास जी के जन्मस्थल से लाई गई पवित्र मिट्टी को पंजाब के विभिन्न मंडलों में धार्मिक स्थलों तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु अपने गुरु के जन्मस्थान से आध्यात्मिक रूप से जुड़ सकें। मंडल अध्यक्ष पवन धीमान ने कहा कि यह पहल सामाजिक समरसता और धार्मिक सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी की शिक्षाएं आज भी समाज को एकता और सद्भाव का मार्ग दिखाती हैं। कार्यक्रम के दौरान संगत और ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे आस्था और सम्मान से जुड़ा कदम बताया।

Uturn Time 05 Aug 2026_Layout 2 04-08-2026 23:52 Page 9

2027 चुनाव की सरगर्मी, पूर्व पुलिस इंस्पेक्टर प्रेम सिंह भंगू ने जगरांव में भरी हुंकार, स्कूटर बाजार एसोसिएशन से की विशेष मुलाकात

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/4/जुलाई। पंजाब की सियासत में आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। इसी राजनीतिक हलचल के बीच समाज सेवी और पूर्व पुलिस इंस्पेक्टर प्रेम सिंह भंगू ने हलका जगरांव में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। हाल ही में उन्होंने जगरांव की प्रसिद्ध स्कूटर बाजार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ एक विशेष बैठक की, जिसमें क्षेत्र के विकास, व्यापारियों की समस्याओं और आगामी चुनावों की रणनीतियों पर गंभीर मंथन किया गया।

बैठक के दौरान प्रेम सिंह भंगू ने कहा कि जगरांव हलके के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। व्यापारिक वर्ग को अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए उन्होंने कहा कि व्यापारियों को पेश आने वाली समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना चाहिए। अपनी कार्यशैली और अनुभव का जिक्र करते हुए भंगू ने कहा कि उनकी पुलिस सेवा का एक बड़ा हिस्सा जगरांव हलके में ही बीता है, जिसके चलते वह यहां के लोगों की मूल समस्याओं से भलीभांति परिचित हैं। उन्होंने आत्मविश्वास जताते हुए कहा कि लंबे पुलिस कार्यकाल के दौरान उन्होंने अपराधियों और खासकर नशा तस्करों के तौर- तारीको को बहुत करीब से देखा है, इसलिए वे जगरांव से नशे के कोढ़ को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर स्कूटर बाजार एसोसिएशन के प्रधान जगतार सिंह चावला, जसवीर सिंह गालिब, प्रदीप सिंह (एस.पी.), राकेश कुमार बागरी, कोमल सिंह सग्गू, जतिंदर कल्याण, जगतार सिंह तारी, मदन सिंह, सतनाम सिंह कमां, कुलवीर सिंह, मोहित कुमार मुनीम, रमन सिंह, सरबजीत सिंह और बिट्टू कलसी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। एसोसिएशन के सदस्यों ने प्रेम सिंह भंगू का जोरदार स्वागत किया और अपने कारोबार तथा स्थानीय मुद्दों पर खुलकर विचार-विमर्श किया। बैठक के अंत में आपसी सहयोग बढ़ाने और जगरांव की तरक्की के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया।

सफाई कर्मचारियों का संघर्ष रंग लाया

पंजाब सरकार ने मानी मुख्य मांगें, अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/4/अगस्त। पंजाब में सफाई सेवक यूनियन के लंबे और कड़े संघर्ष के बाद आखिरकार सरकार को झुकना पड़ा है। स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैंस के साथ हुई सकारात्मक बैठक के बाद सरकार ने कर्मचारियों की मुख्य मांगें स्वीकार कर ली हैं, जिसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल को आधिकारिक तौर पर समाप्त कर दिया गया है। इस ऐतिहासिक फैसले से पूरे पंजाब के सफाई सेवकों, सीवरमैनों और नगर पालिका कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

नियमितीकरण: वर्ष 2021 की नीति के तहत अनुबंध आधार पर कार्यरत सफाई सेवकों और सीवरमैनों को बिना किसी शर्त के पक्का किया जाएगा।

ठेका प्रणाली का अंत: ठेकेदारी प्रथा के तहत काम कर रहे सभी नगरपालिका कर्मचारियों को अब अनुबंध आधार पर लाया जाएगा।

न्यूनतम वेतन: सभी योग्य कर्मचारियों के लिए 20,520 मासिक वेतन 1 अगस्त 2026 से लागू कर दिया गया है।

हड़ताल समाप्त होने के तुरंत बाद आज जगरियां में सफाई कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ शहर की सफाई और सीवर व्यवस्था का कार्यभार पुनः संभाल लिया, जिससे शहर की ठप पड़ी जनसेवाएं पूरी तरह सामान्य हो गई हैं।

यूनियन के जिला अध्यक्ष अरुण गिल ने स्पष्ट किया कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि राज्य के समस्त सफाई कर्मचारियों और सहकर्मियों की अटूट एकता, हौसले और संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने इस संघर्ष के दौरान समर्थन देने वाली सभी जन संगठनों और पंजाब के नागरिकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। इस समझौते के साथ ही कर्मचारी अब पूरे मान-सम्मान के साथ अपनी ड्यूटी पर लौट आए हैं।

सीएचसी लालड़ू में अब मिलेंगी 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं

विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री की घोषणा, मेडिकल अधिकारियों के पद दो से बढ़ाकर चार होंगे

लालड़ू/यूटर्न/04 अगस्त। डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लालड़ू में अब 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पंजाब विधानसभा के चल रहे सत्र में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा द्वारा उठाए गए प्रश्न के जवाब में इसकी घोषणा की। विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने विधानसभा में कहा कि सीएचसी लालड़ू में आवश्यक बुनियादी सुविधाएं होने के बावजूद डॉक्टरों की कमी के कारण अस्पताल में दोपहर तीन बजे के बाद स्वास्थ्य सेवाएं बंद हो जाती थीं। इससे लालड़ू, हंडेसरा के 17 वार्डों, 50 से अधिक गांवों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आपातकालीन उपचार के लिए डेराबस्सी, अंबाला और चंडीगढ़ का रुख करना पड़ता था। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि सीएचसी लालड़ू में 247 स्वास्थ्य सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। मरीजों को चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मेडिकल अधिकारियों के स्वीकृत पद दो से बढ़ाकर चार किए जाएंगे। इसके अलावा मेडिसिन और स्त्री रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी जारी है, जिससे भविष्य में सीजेरियन प्रसव सहित अन्य विशेषज्ञ सेवाएं भी अस्पताल में उपलब्ध हो सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक 24 घंटे संचालित स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने की योजना पर काम कर रही है। इस योजना के तहत प्रदेश में 117 ऐसे केंद्र स्थापित किए जाने हैं, जिनमें से 10 पहले ही शुरू हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए अगले दो सप्ताह में 700 से अधिक नर्सों को नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे। साथ ही पंजाब के 23 में से 20 जिलों में इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) भी स्थापित की जा चुकी हैं। विधानसभा में घोषणा के बाद विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह का आभार जताते हुए कहा कि करीब 30 वर्ष पुराने सीएचसी लालड़ू में 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं शुरू होना क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद स्थापित की गयी मौलिक कर्तव्यों की संस्मरण शिला समाज को दे रही सार्थक सन्देश / खन्ना

होशियारपुर/दलजीत अजनोहा पूर्व सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अविनाश राय खन्ना के आग्रह पर डी.ए.वी. शिक्षण संस्थानों के कनवोकेशन समारोह के अवसर पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने डी.ए.वी. कॉलेज होशियारपुर में नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों के स्मरण एवं उनके पालन के संकल्प को समर्पित एक विशेष शिला का अनावरण किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना ने कहा कि गत दिनों पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद का होशियारपुर आगमन पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि श्री कोविंद ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक को संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्यों का स्मरण करते हुए उनका निष्ठापूर्वक पालन करने का जो संदेश दिया है, वह एक

सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। खन्ना ने कहा कि अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति सजग रहना ही सच्चे लोकतंत्र की पहचान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डी.ए.वी. कॉलेज परिसर में स्थापित यह शिला विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा समाज के सभी वर्गों को अपने संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति निरंतर प्रेरित करती रहेगी तथा राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

सपना था IPS बनने का, मुकाम मिला अदालत की दहलीज पर

हर केस को नई किताब मानते हैं एडवोकेट पियूष जैन

लुधियाना में कानून के क्षेत्र का एक जाना-पहचाना नाम हैं एडवोकेट पियूष जैन। पंजाब के वरिष्ठ अधिवक्ता स्वर्गीय कृष्णकांत जैन के पुत्र होने के बावजूद उन्होंने अपनी अलग पहचान मेहनत, अध्ययन और लगातार संघर्ष के दम पर बनाई। आईपीएस अधिकारी बनने का सपना देखा, सिविल सर्विस की तैयारी भी की, लेकिन किस्मत उन्हें अदालत की चौखट तक ले आई। आज वे संपत्ति विवाद, वैवाहिक मामलों, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट और बौद्धिक संपदा (Intellectual Property) जैसे जटिल मामलों के सफल अधिवक्ता हैं। उन्होंने विवाह और तलाक जैसे सामाजिक विषयों पर दो पुस्तकें भी लिखी हैं। पेश है एडवोकेट पियूष जैन से बातचीत के प्रमुख अंश।

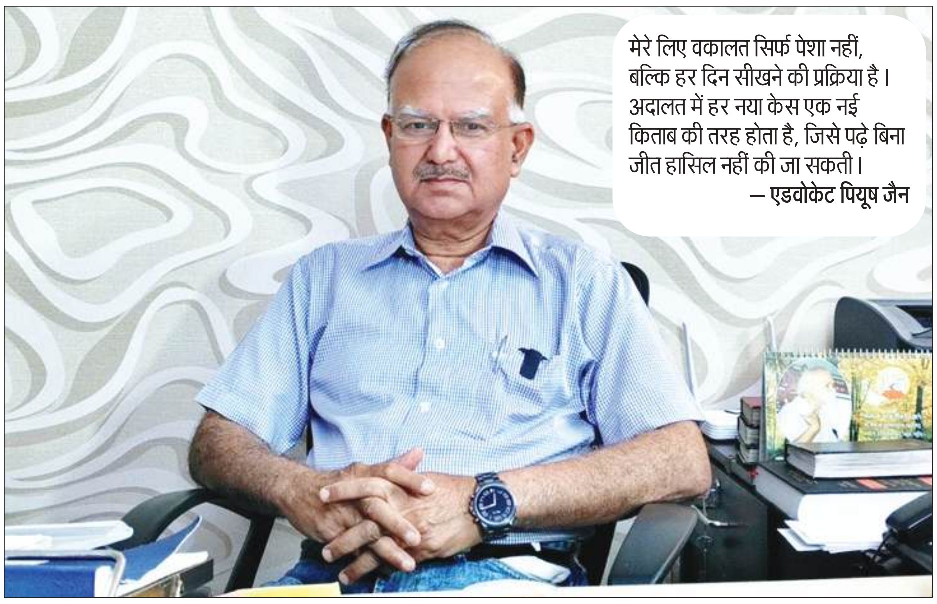

अक्सर कहा जाता है कि हर बड़ी पहचान के पीछे एक छोटा-सा सपना होता है। आपका सपना कहां से शुरू हुआ?

सच कहूं तो मेरा सपना वकालत नहीं था। कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद मैं आईपीएस अधिकारी बनना चाहता था। दो साल तक सिविल सर्विस की तैयारी की, लेकिन सफलता नहीं मिली। उस दौरान मेरे पिता और उनके साथ काम करने वाले लोग लगातार कहते थे कि जब घर में इतनी अच्छी प्रैक्टिस है तो उसे आगे बढ़ाओ। शुरूआत में पिता के साथ सीधे काम करने में संकोच होता था, इसलिए उन्होंने मुझे अपने मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता सरवजीत सिंह के पास भेजा। कुछ समय बाद मैं वापस अपने पिता के साथ जुड़ गया। वहीं से मेरी असली यात्रा शुरू हुई। उनके मार्गदर्शन में मैंने सीखा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, केवल मेहनत ही रास्ता बनाती है।

क्या शुरू से ही तय था कि आपको वकालत ही करनी है?

बिल्कुल नहीं। स्कूल के दिनों में मैं पढ़ाई में काफी अच्छा था। उस समय माहौल ऐसा था कि अच्छे विद्यार्थी या तो डॉक्टर बनते थे या इंजीनियर। मैंने भी नॉन-मेडिकल चुना और इंजीनियर बनने का सपना देखा। लेकिन उम्र संबंधी नियमों के कारण मुझे मनचाहे संस्थानों में प्रवेश नहीं मिल पाया। मेरे बड़े भाई, जो खुद इंजीनियरिंग कर रहे थे, उन्होंने सलाह दी कि इंजीनियरिंग की बजाय कानून बेहतर विकल्प हो सकता है। इसके बाद मैंने पहले बी.कॉम. की और फिर पंजाब यूनिवर्सिटी से एलएलबी की। यही मेरे जीवन का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

अपने करियर का कोई ऐसा मामला जिसे आप आज भी याद करते हों?

मेरे लिए हर केस अलग होता है। मैं हमेशा कहता हूं कि वकील जीवनभर विद्यार्थी रहता है। हर केस एक नई परीक्षा है। कानून वही रहता है, लेकिन हर मामले के तथ्य अलग होते हैं। इसलिए हर केस में दोबारा पढ़ना, समझना और तैयारी करनी पड़ती है। यही इस पेशे की सबसे बड़ी खूबसूरती भी है और चुनौती भी।

कौन-से मामलों ने आपको सबसे अधिक संतुष्टि दी?

मैंने ट्रेडमार्क और कॉपीराइट से जुड़े कई बड़े मामले लड़े। उस समय पंजाब में बहुत कम वकील इस क्षेत्र में काम कर रहे थे। कोहिनूर राइस जैसे बड़े ब्रांड के मामलों में सफलता मिली। इसके अलावा अफकॉन्स कंपनी से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मामला था, जिसमें पंजाब सरकार के साथ माइनिंग कानूनों को लेकर विवाद था। वह मामला काफी चर्चित रहा और उसमें हमारी जीत हुई। एक अन्य बड़े मामले में हजारों करोड़ रुपये निवेश करने वाले निवेशकों की ओर से पैरवी की। जब ऐसे मामलों में न्याय मिलता है तो संतोष होता है। लेकिन सबसे अधिक संतुष्टि मुझे उन मामलों से मिलती है, जिनमें मैं जरूरतमंद लोगों की बिना फीस के मदद करता हूं। कई पुराने मुवक्किल आज भी आते हैं। कई बार आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर मैं उनसे फीस नहीं लेता। किसी गरीब व्यक्ति की समस्या हल हो जाए, उससे बड़ी खुशी कोई नहीं होती।

आज आपकी विशेषज्ञता किन मामलों में है?

मैंने कभी खुद को किसी एक क्षेत्र का विशेषज्ञ नहीं कहा। मैंने सिविल, क्रिमिनल, प्रॉपर्टी, किरायेदारी, वैवाहिक विवाद, आर्थिक अपराध, बौद्धिक संपदा—लगभग हर तरह के मामले किए हैं। मेरा मानना है कि किसी भी केस को उसके तथ्यों और कानून के आधार पर समझना चाहिए, न कि केवल विषय के आधार पर।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में गृहिणी के योगदान को आर्थिक मूल्य देने वाला फैसला सुनाया। आप इसे कैसे देखते हैं?

यह फैसला मेरे दिल के बहुत करीब है। करीब बीस साल पहले मैंने भी हाईकोर्ट में ऐसा ही मामला लड़ा था। उस समय बीमा कंपनी का तर्क था कि गृहिणी की कोई आर्थिक आय नहीं होती, इसलिए मुआवजा कम मिलना चाहिए। हमने अदालत में कहा कि घर संभालना, बच्चों की परवरिश करना और पूरे परिवार की जिम्मेदारी निभाना भी आर्थिक योगदान है। यदि यही काम किसी कर्मचारी से कराया जाए तो उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। हाईकोर्ट ने हमारे पक्ष को स्वीकार किया। आज सुप्रीम कोर्ट का फैसला उसी सोच को और मजबूत करता है। यह केवल कानूनी नहीं बल्कि मानवीय दृष्टि से भी ऐतिहासिक निर्णय है।

आपने विवाह और तलाक पर किताबें भी लिखी हैं। बढ़ते तलाक के मामलों को किस नजर से देखते हैं?

- तलाक का कोई एक कारण नहीं होता। परिवार के संस्कार, शिक्षा, सामाजिक माहौल, दोस्तों का प्रभाव और बदलती जीवनशैली—ये सभी कारण जिम्मेदार हैं। पहले विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का संबंध माना जाता था। आज सोच बदली है। मेरा मानना है कि विवाह से पहले लड़का और लड़की एक-दूसरे को समझें, बातचीत करें और मानसिक रूप से तैयार हों। केवल परिवारों की पसंद के आधार पर रिश्ता तय करना पर्याप्त नहीं है।

आपके पिता वकील थे। क्या उन्होंने आपको इसी पेशे में आने के लिए प्रेरित किया?

- दिलचस्प बात यह है कि मैंने कभी अपने बेटों को वकालत करने के लिए प्रेरित नहीं किया। मैं चाहता था कि वे एमबीए करें या किसी कॉर्पोरेट क्षेत्र में जाएं, क्योंकि वकालत बहुत मेहनत वाला पेशा है। लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। मेरे दोनों बेटों ने आखिरकार कानून को ही चुना। बड़े बेटे ने दिल्ली विश्वविद्यालय और फिर इंग्लैंड से कानून की पढ़ाई की। छोटा बेटा दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई के बाद कानून के क्षेत्र में आया। आज दोनों सफल अधिवक्ता हैं। मुझे खुशी है कि उन्होंने अपनी मेहनत से पहचान बनाई।

डीएवी पाखोवाल का बास्केटबॉल में डबल धमाका, ओपन स्टेट और जोनल दोनों खिताब जी

लुधियाना/यूटर्न/04 अगस्त। डीएवी पब्लिक स्कूल, पाखोवाल रोड के खिलाड़ियों ने ओपन स्टेट बास्केटबॉल चैंपियनशिप और पंजाब स्कूल जोनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई खिताब अपने नाम किए हैं।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से स्कूल में खुशी का माहौल है। लुधियाना बास्केटबॉल अकादमी का प्रतिनिधित्व करते हुए स्कूल की अंडर-14 लड़कों और लड़कियों की टीमों ने ओपन स्टेट बास्केटबॉल चैंपियनशिप में पहला स्थान हासिल किया। इसके बाद दोनों टीमों ने पंजाब स्कूल जोनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट में भी चैंपियन बनकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा।

बीसीएम आर्य इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह, मेधावी विद्यार्थियों और शिक्षकों का सम्मान

लुधियाना/यूटर्न/04 अगस्त। बीसीएम आर्य इंटरनेशनल स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय सभागार में आयोजित इस समारोह में शिक्षा और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सम्मानित कर उनकी सफलता का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर निगम लुधियाना के मुख्य सहायक आयुक्त जसदेव सिंह सेखों, विद्यालय के अध्यक्ष राकेश जैन, निदेशक डॉ. परमजीत कौर, प्रधानाचार्या डॉ.

जसनीव सेठ तथा प्रबंधन के अन्य सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि जसदेव सिंह सेखों ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और निरंतर मेहनत से हासिल होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने और अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया।

Uturn Time 05 Aug 2026_Layout 2 04-08-2026 23:52 Page 11

बठिंडा में सरेआम चिट्टा बेचती महिला का वीडियो वायरल, पुलिस ने रातोंरात गिरफ्तार कर भेजा जेल

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/04 अगस्त। शहर के थाना कोतवाली क्षेत्र में एक महिला द्वारा कथित तौर पर सरेआम चिट्टा बेचने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई।

वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया, जिसके चलते वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद थाना कोतवाली पुलिस ने देर रात महिला को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया और अदालत में पेश करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार वायरल वीडियो में महिला कथित रूप से नशा बेचती दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि महिला लंबे समय से इलाके में चिट्टा बेचने का धंधा कर रही थी, लेकिन उसके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही थी। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए और नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

सूत्रों के मुताबिक मामला पुलिस के उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आते ही तुरंत कार्रवाई के आदेश जारी किए गए। इसके बाद पुलिस टीम ने महिला को पकड़कर उसके कब्जे से मिले तथ्यों के आधार पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस अधिकारियों लगातार जारी है और किसी भी व्यक्ति को कानून से ऊपर नहीं माना जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया कि वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है ताकि यह थी और उसके नेटवर्क में कौन-कौन शामिल है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी और नशे के कारोबार में शामिल अन्य लोगों।

लघु सचिवालय में सिविल डिफेंस मॉक एक्सरसाइज, 15 लोगों का रेस्क्यू

सायरन बजते ही खाली कराया भवन, विभिन्न विभागों ने दिखाया बेहतर समन्वय

पंचकूला/यूटर्न/04 अगस्त। उपायुक्त सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन में मंगलवार को सेक्टर-1 स्थित लघु सचिवालय में सिविल डिफेंस मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। अभ्यास का उद्देश्य आपात स्थिति में प्रशासनिक तैयारियों, राहत एवं बचाव एजेंसियों के समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का आकलन करना था। दोपहर एक बजे सायरन बजते ही लघु सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी भवन से बाहर निकलकर निर्धारित सुरक्षित स्थान पर एकत्रित हो गए। आग लगने की काल्पनिक सूचना पर कंपनी कमांडर सुनील कुमार के नेतृत्व में होमगार्ड के 30 जवानों ने रेस्क्यू अभियान चलाया। रस्सियों की सहायता से भवन में फंसे करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायलों को हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से स्थापित फर्स्ट एड पोस्ट पर प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को एंबुलेंस से नागरिक अस्पताल सेक्टर-6 भेजने का अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल में पुलिस, स्वास्थ्य, अग्निशमन, होमगार्ड, यूएचबीवीएन, जनस्वास्थ्य विभाग और नेहरू युवा केंद्र की टीमों ने भाग लिया। इस मौके पर एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश जागृति, जिला कमांडेंट होमगार्ड गगनदीप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दरबार बापू गंगा दास जी, माहिलपुर में हंस राज हंस हुए नतमस्तक

दलजीत अजनोहा

होशियारपुर/यूटर्न/04 अगस्त। पूर्व सांसद, प्रसिद्ध सूफी एवं पार्श्व गायक तथा दरबार बापू लाल बादशाह जी, नकोदर के पूर्व मुख्य सेवादार हंस राज हंस ने दरबार बापू गंगा दास जी, माहिलपुर में पहुंचकर माथा टेका तथा संत महापुरुषों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर दरबार के मुख्य सेवादार दास मनदीप सिंह बैंस (मंगा जी) ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों के बीच धार्मिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बातचीत के दौरान संत महापुरुषों की शिक्षाओं को समाज में शांति, भाईचारे, मानवता और निस्वार्थ सेवा की भावना को मजबूत करने का सबसे प्रभावी माध्यम बताया गया। दोनों ने समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार दलजीत अजनोहा ने हंस राज हंस का एक विशेष साक्षात्कार भी लिया। साक्षात्कार के दौरान उन्होंने धर्म, सामाजिक सद्भाव, जनसेवा, समकालीन राजनीति, संगीत और कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर बेबाकी से अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि संत महापुरुषों की शिक्षाएं मानवता को सत्य, प्रेम, शांति, विनम्रता और भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं, जिसकी आज के समय में सबसे अधिक आवश्यकता है। साक्षात्कार के दौरान जब वरिष्ठ पत्रकार दलजीत अजनोहा ने उनसे उनके राजनीतिक सफर के बारे में पूछा, तो हंस राज हंस ने कहा कि यह उनके जीवन पर ईश्वर की अपार कृपा रही कि उन्हें दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ने का अवसर मिला और जनता ने उन्हें भारी बहुमत से विजयी बनाकर संसद भेजा।

उन्होंने कहा कि सांसद के रूप में उन्होंने हमेशा पंजाब के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी तथा अपने कार्यकाल के दौरान पंजाब के विकास और लोगों की भलाई के लिए जो भी संभव हो सका, उसे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा पंजाबियत की भावना को अपने हृदय में जीवित रखा है और जहां भी रहे, अपनी मिट्टी, अपनी भाषा, अपनी संस्कृति और अपने लोगों से जुड़े रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पंजाब की पहचान उसकी सांझी संस्कृति, भाईचारे और प्रेम की परंपरा है, जिसे हर हाल में आगे बढ़ाया जाना चाहिए। हंस राज हंस ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर आने से मन को आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और नई प्रेरणा प्राप्त होती है। ऐसे पवित्र स्थल हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को संजोने के साथ-साथ लोगों को अपने नैतिक मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे प्रेम, एकता, सामाजिक सद्भाव और निस्वार्थ सेवा की भावना को अपनाकर एक मजबूत एवं समरस समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। हंस राज हंस के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु दरबार में उपस्थित रही। श्रद्धालुओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया और उनके द्वारा दिए गए शांति, मानवता एवं भाईचारे के संदेश की सराहना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान दरबार का वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा।

सादगी और दमदार अभिनय से यामी गौतम ने बनाई अलग पहचान

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम अपनी सादगी, खूबसूरती और प्रभावशाली अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने टेलीविजन से अपने अभिनय करियर की शुरूआत कर फिल्मों तक का सफल सफर तय किया। फिल्म 'विकी डोनर' से उन्हें हिंदी सिनेमा में विशेष पहचान मिली। यामी ने रोमांटिक, कॉमेडी और गंभीर भूमिकाओं में अपनी प्रतिभा साबित की है। उनके अभिनय में सहजता और किरदारों के प्रति समर्पण साफ दिखाई देता है। वह अपने स्टाइलिश और गरिमापूर्ण अंदाज के कारण दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं।

Uturn Time 05 Aug 2026_Layout 2 04-08-2026 23:52 Page 12

जीरकपुर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म, शहर में आज से चलेगा विशेष सफाई अभियान

सरकार ने मानीं प्रमुख मांगें, कई दिनों बाद बहाल होगी सफाई व्यवस्था

जीरकपुर/यूटर्न/04 अगस्त। कई दिनों से जारी म्युनिसिपल काउंसिल जीरकपुर के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल सोमवार को समाप्त हो गई। पंजाब सरकार द्वारा कर्मचारियों की प्रमुख मांगों को स्वीकार किए जाने के बाद यूनियन और प्रशासन के बीच सहमति बन गई। हड़ताल समाप्त होने की घोषणा नगर परिषद अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह विर्क ने की।

हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई थी। मुख्य सड़कों, बाजारों, रिहायशी कॉलोनियों और खाली प्लॉटों में कूड़े के ढेर लग गए थे। जगह-जगह फैली गंदगी और बदबू से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहरवासी लगातार हड़ताल समाप्त कर सफाई व्यवस्था बहाल करने की मांग कर रहे थे। नगर परिषद अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह विर्क ने कहा कि शहरवासियों की समस्याओं को देखते हुए कर्मचारियों की मांगों को पंजाब सरकार के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया। सकारात्मक बातचीत के बाद समाधान निकलने से हड़ताल समाप्त हो गई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार से विशेष सफाई अभियान शुरू किया जाएगा, जिसके तहत पहले मुख्य मार्गों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों से कचरा उठाया जाएगा। इसके बाद सभी वार्डों में नियमित सफाई व्यवस्था बहाल की जाएगी।

सफाई सेवक यूनियन के अध्यक्ष प्रदीप सूद ने पंजाब सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए सकारात्मक फैसला लिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार अपने वादों को तय समय में पूरा करेगी, ताकि भविष्य में कर्मचारियों को आंदोलन का सहारा न लेना पड़े।

होटल में दो बहनों से मारपीट का मामला: वीडियो वायरल होने पर चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

जीरकपुर/यूटर्न/04 अगस्त। बलटाना स्थित एक होटल में घुसकर दो बहनों के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग हरकत में आ गया है। घटना का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए संबंधित चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर हरजिंदर सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है। मामले की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। होटल संचालिका और उसकी बहन ने आरोप लगाया है कि चौकी इंचार्ज पिछले काफी समय से उनसे 20 हजार रुपये प्रतिमाह की मांग कर रहा था। उनका कहना है कि वे पहले यह राशि देती रही थीं, लेकिन पिछले दो माह से होटल बंद होने के कारण भुगतान नहीं कर सकीं। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर 29 जुलाई की रात चौकी इंचार्ज कुछ पुलिसकर्मियों के साथ होटल पहुंचा और दोनों बहनों के साथ मारपीट की।

पीड़िताओं के अनुसार, पुलिसकर्मियों ने बिना कोई स्पष्ट कारण बताए उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। विरोध करने पर उन्हें होटल से बाहर निकल जाने के लिए कहा गया। उन्होंने घटना के दौरान अभद्र व्यवहार किए जाने का भी आरोप लगाया है। पीड़िताओं का दावा है कि घटना से पहले होटल के अधिकांश सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए थे, लेकिन एक कैमरा चालू रह गया, जिसमें पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई।

भाजपा ने शुरू किया 'समरसता संकल्प अभियान'

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/4/अगस्त। भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश भर में श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित 'समरसता संकल्प अभियान' की शुरूआत कर दी गई है।

इसी कड़ी में वाराणसी से पवित्र कलश चंडीगढ़ लाए गए, जहाँ प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और पंजाब भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद इन पवित्र कलशों को पंजाब के सभी जिला अध्यक्षों को सौंप दिया गया, ताकि इन्हें राज्य के हर सर्कल तक पहुँचाया जा सके।

कलश यात्रा और जन आंदोलन: जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा ने बताया कि यह अभियान केवल राजनीतिक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे संतों, धार्मिक कमेटियों, युवाओं और महिलाओं को जोड़कर एक 'जन आंदोलन' बनाया जाएगा।

मोदी सरकार के प्रयास: केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा वाराणसी में गुरु रविदास जी के जन्मस्थान पर विशाल लंगर हॉल, शानदार संग्रहालय और मूर्ति स्थापना की गई है। इसके अलावा, पंजाब के आदमपुर एयरपोर्ट का नाम गुरु रविदास जी के नाम पर रखने, संत निरंजन दास जी को 'पद्म श्री' से सम्मानित करने और जालंधर से वाराणसी के लिए विशेष ट्रेन चलाने जैसे सराहनीय कदम उठाए गए हैं।

लुधियाना की बेटी मनमीत अब एशिया में दिखाएगी दम

लुधियाना/यूटर्न/04 अगस्त। शहर की युवा खिलाड़ी मनमीत कौर ने अपनी मेहनत और शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला नेटबॉल टीम में स्थान बनाकर पंजाब का गौरव बढ़ाया है। भाई रणधीर सिंह नगर निवासी मनमीत अब 8 से 15 अगस्त तक हांगकांग में आयोजित होने वाली 14वीं एशियाई महिला नेटबॉल चैंपियनशिप-2026 में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। मनमीत की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि भारतीय टीम के चयन के लिए हरियाणा के भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में करीब एक महीने तक कठिन राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर लगाया गया था। शिविर में देशभर से चुनी गई 21 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से अंतिम 12 सदस्यीय टीम में मनमीत ने अपनी जगह पक्की की। प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, तकनीकी कौशल, रणनीतिक समझ, टीम वर्क और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता का आकलन किया गया। मनमीत ने लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। भारतीय टीम में चुने जाने के बाद मनमीत ने कहा कि तिरंगे वाली जर्सी पहनकर खेलना उनके लिए गर्व का क्षण है। उनका लक्ष्य केवल टीम में जगह बनाना नहीं, बल्कि एशियाई चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक जीतना है। मनमीत की उपलब्धि से उनके परिवार, कोच और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। स्थानीय खिलाड़ियों का कहना है कि उनकी सफलता नेटबॉल जैसे खेलों में करियर बनाने की इच्छा रखने वाली लड़कियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

शिव मंदिर पार्क में नशा करने के आरोप में तीन युवक गिरफ्तार, डोप टेस्ट में दो की रिपोर्ट पॉजिटिव

जीरकपुर/यूटर्न/04 अगस्त। जीरकपुर पुलिस ने शिवालिक विहार स्थित शिव मंदिर पार्क में कार्रवाई करते हुए नशीले पदार्थों के सेवन के आरोप में तीन युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पार्क में कुछ युवक नशा कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों को हिरासत में लिया और उनका डोप टेस्ट कराया।

पुलिस के अनुसार एएसआई जोगिंदर सिंह और महिला कांस्टेबल जसप्रीत कौर गश्त के दौरान कोहिनूर ढाबा क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी कि शिव मंदिर पार्क में कुछ युवक नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने शाम करीब 7:15 बजे पार्क में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पीयूष तलवार निवासी शिवालिक विहार, निखिल निवासी स्वास्तिक विहार तथा रोहन सैनी निवासी विक्टोरिया एन्क्लेव को मौके से पकड़ लिया। तलाशी के दौरान तीनों के पास से कोई नशीला पदार्थ या अन्य आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। इसके बाद पुलिस उन्हें सिविल अस्पताल ढकोली ले गई, जहां उनका डोप टेस्ट कराया गया। पुलिस के अनुसार मेडिकल जांच में पीयूष तलवार और रोहन सैनी की रिपोर्ट में मॉर्फीन तथा बेंजोडायजेपीन का सेवन पाए जाने की पुष्टि हुई। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने तीनों युवकों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा-27 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma

तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।

Contact - +91 9814295372